शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 14, पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 09 फरवरी 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'विकास और विरासत साथ-साथ आगे बढ़ेंगे'

यही तो नए भारत की तस्वीर है, जहां आधुनिकता का स्वागत भी है और अपनी पहचान पर गर्व भी है: पीएम

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि नए भारत की तस्वीर में विकास और विरासत दोनों का संगम है। पीएम मोदी ने कहा कि यही तो नए भारत की तस्वीर है, जहां आधुनिकता का स्वागत भी है और अपनी पहचान पर गर्व भी है।

श्रील प्रभुपाद की जयंती पर पीएम ने कार्यक्रम को किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मंडपम में श्रील प्रभुपाद जी की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रील प्रभुपाद जी की स्मृति में पोस्टल स्टैम्प और स्मारक सिक्का जारी। उन्होंने कहा कि आज ये कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब कुछ ही दिन पहले भव्य राम मंदिर का सैंकड़ों साल पुराना सपना पूरा हुआ है।

पीएम ने चैतन्य महाप्रभु का किया वर्णन

पीएम मोदी ने कहा कि आज आपके चेहरों पर जो उल्लास और उत्साह दिखाई दे रहा है, मुझे विश्वास है कि इसमें रामलला के विराजमान होने की खुशी भी शामिल है। उन्होंने चैतन्य महाप्रभु का वर्णन करते हुए कहा कि चैतन्य महाप्रभु ने हमें दिखाया कि श्रीकृष्ण की लीलाओं को, उनके जीवन को

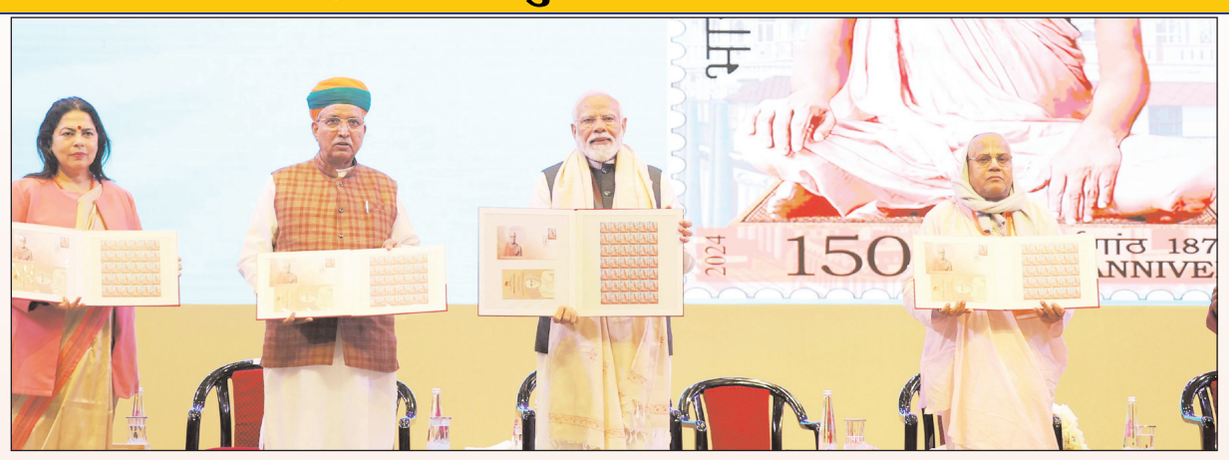

उत्सव के रूप में अपने जीवन में उतारकर कैसे सुखी हुआ जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अनुभव मंडपम प्राचीन भारत में आध्यात्मिक विमर्शों का केंद्र था, जन-कल्याण की भावनाओं और संकल्पों का ऊर्जा केंद्र था। आज श्रील प्रभुपाद जी की 150वीं जयंती के अवसर पर भारत मंडपम में वैसी ही ऊर्जा दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच भी थी कि ये भवन भारत के आधुनिक सामर्थ्य और प्राचीन मूल्यों, दोनों का केंद्र बनना चाहिए।

'पूरा नेहरू-गांधी परिवार ओबीसी के खिलाफ: बीजेपी

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के पीएम नरेंद्र मोदी की जाति को लेकर किए गए दावे पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने उनपर निशाना साधा है। बीजेपी नेता ने गुरुवार को कहा कि पीएम मोदी ने पहली बार गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से दो साल पहले वर्ष 1999 में अपनी जाति को ओबीसी के रूप में अधिसूचित कराया था। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर

लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी जाति को ओबीसी के रूप में अधिसूचित कराया, राहुल गांधी, यह सरासर झूठ है। पीएम नरेंद्र मोदी की जाति को उनके गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से पूरे 2 साल पहले 27 अक्टूबर 1999 को ओबीसी के रूप में अधिसूचित किया गया था।" मालवीय ने एक गजट अधिसूचना संलग्न करते हुए कहा, जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक पूरा नेहरू-गांधी परिवार ओबीसी के खिलाफ रहा है। मालवीय का बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आज की टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओबीसी समुदाय से नहीं आते हैं। वो तेली जाति में पैदा हुए थे, जिसे गुजरात में बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान ओबीसी सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री पर खुद को ओबीसी सदस्य के रूप में पहचान कर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

करोड़ों देशवासी अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

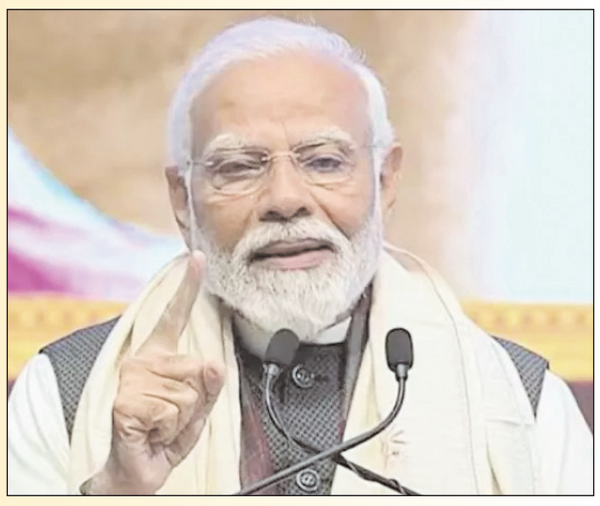

पीएम ने कहा कि आज करोड़ों देशवासी राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा लेकर अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं।

इस अमृतकाल में हमनें अपने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। हम राष्ट्र को देव मानकर, देव से देश का विजन लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि भारत कभी सीमाओं के विस्तार के लिए दूसरे देशों पर हमला करने नहीं गया। जो लोग इतने महान दर्शन से अपरिचित थे, जो इसे समझे नहीं, उनके वैचारिक हमलों ने कहीं न कहीं हमारे मानस को भी प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन को भी स्वामी विवेकानंद और श्रील स्वामी प्रभुपाद जैसे संतों ने असीम ऊर्जा से भर दिया था। प्रभुपाद स्वामी के पास नेताजी सुभाषचंद्र बोस और महामना मालवीय जैसी हस्तियां आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए आती थी।

रियाद डिफेंस शो में दिखी भारतीय सशस्त्रबलों में नारी शक्ति की झलक

नई दिल्ली

रियाद में वर्ल्ड डिफेंस शो में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मियों में तीन महिला सैन्य अधिकारी स्क्वॉड्रन लीडर भावना कंठ, कर्नल पोनुंग डोमिंग और लेफ्टिनेंट कमांडर अन्नू प्रकाश भी शामिल रहीं। पांच दिवसीय मेगा इवेंट चार फरवरी को शुरू हुआ था। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इनकी भागीदारी रक्षा परिदृश्य में भारतीय महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रमाण है। तीनों ने विश्व डिफेंस शो के विभिन्न सेमिनारों में खासकर रक्षा थीम पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय महिलाओं के कार्यक्रमों में प्रतिनिधित्व किया।

परेड में हिस्सा लेने वाली पहली महिला फाइटर पायलट

स्क्वॉड्रन लीडर भावना ने बाधाओं को तोड़ने और आसमान में उड़ान भरने की अपनी प्रेरक यात्रा साझा की। वह 2021 के गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने वाली पहली महिला फाइटर पायलट हैं। कर्नल पोनुंग डोमिंग उत्तरी क्षेत्र में 15,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित बोर्डर टास्क फोर्स की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी हैं।

समुद्री सुरक्षा और संचालन में विशेषज्ञता को सामने रखा

एक इंजीनियरिंग अधिकारी होने के नाते वह कई चुनौतीपूर्ण कार्यों में सबसे आगे रही हैं। वहीं, भारतीय नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर अन्नू प्रकाश ने समुद्री सुरक्षा और संचालन में अपनी विशेषज्ञता को सामने रखा। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उनकी भागीदारी ने विशाल तटरेखा की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है।

ट्रैक पर जानवर आने से दो साल में हुए पांच ट्रेन हादसे: रेल मंत्री

नई दिल्ली

2021-22 और 2022-23 में पशुओं के भटक कर ट्रैक पर आने के कारण देश में पांच ट्रेन हादसे हुए हैं। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में दी। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में 110 किमी प्रति घंटा से 130 किमी प्रति घंटे के लिए संवेदनशील स्थानों और 130 किमी प्रति घंटा से अधिक की गति होने पर पूरे ट्रैक पर बाड़ लगाने का प्रविधान है। भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी ने रेल मंत्री से पशुओं के कारण देश में हुए हादसों व ट्रैक पर फेंसिंग के संबंध में सवाल पूछा था।

नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन में आयोजित विविधता में अमृत महोत्सव के दौरान केंद्रीय मंत्री जी कृष्ण रेड्डी मोमेंटो भेंट करेत हुए।

कांग्रेस ने ब्लैक पेपर में गिनाई महंगाई-बेरोजगारी से लेकर लोकतंत्र पर प्रहार की लंबी फेहरिस्त

नई दिल्ली

कांग्रेस ने व्हाइट पेपर के जवाब में भाजपा सरकार की विफलताओं की लंबी फेहरिस्त गुरूवार को ब्लैक पेपर के रूप में जारी की जिसमें भयंकर बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था और किसानों की बदहाली के दावे करते हुए मोदी सरकार के 10 साल को अन्याय काल करार दिया गया है। सरकार पर सामाजिक अन्याय से लेकर राजनीतिक तानाशाही का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा है कि महिलाओं, एससी-एसटी-ओबीसी ही नहीं धार्मिक

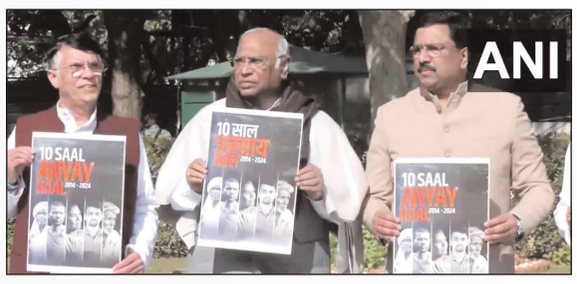

अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। लद्दाख में सीमा पर चीनी अतिक्रमण के बाद बने बफर जोन पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता करने, केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग, गैर भाजपा शासित राज्यों से भेदभाव करने के साथ लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया गया है। संसद में सरकार के श्वेत पत्र रखने से पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कांफ्रेंस कर 57 पेज का ब्लैक पेपर जारी किया जिसमें सभी प्रमुख क्षेत्रों में सरकार की विफलताओं और वादाखिलाफी को आरोप पत्र के रूप में पेश किया गया है। मोदी की गारंटियों के प्रचार पर प्रहार करते हुए खरगे ने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और किसानों की आय दोगुनी करने जैसी उनके अधूरे वादों का आईना दिखाया और कहा कि पीएम जब संसद में अपनी बात रखते हैं तो नाकामियों को छिपाते हैं और सवालों के जवाब नहीं देते इसीलिए हम ""ब्लैक पेपर"" लेकर आए हैं।

पंजाब में आप और कांग्रेस अलग-अलग लड़ेगी चुनाव, दिल्ली में फंसा पेंच

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने असम की तीन लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। आप के संगठन महामंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने बृहस्पतिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि ब्रूगढ़ लोकसभा सीट से मनोज धनोवर, गुवाहाटी सीट से भाबेन चौधरी एवं सोनितपुर लोकसभा सीट से ऋषिराज आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

जल्द शुरू करेंगे चुनाव प्रचार-आप

आप सांसद ने कहा कि इन तीन लोकसभा सीटों पर हम जल्द से जल्द चुनाव प्रचार शुरू कर देंगे। उम्मीद है कि इंडिया गठबंधन इसको स्वीकार करते हुए अपना समर्थन देगा और यह तीन लोकसभा सीट आम आदमी पार्टी को दे दी जाएंगी। पाठक ने आगे कहा कि सीट बंटवारे को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। हमें जल्द से जल्द इस बातचीत को निष्कर्ष तक ले जाना पड़ेगा। आप पूरी ईमानदारी और ताकत के साथ आईएनडीआईए का हिस्सा बनी रहेगी। संदीप पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी गठबंधन का धर्म निभाएगी। लोकसभा चुनाव की तारीख लगभग तय हो चुकी हैं। लोकसभा चुनाव में कुछ महीने बाकी रह गए हैं, इतने कम समय में हमें चुनाव की तैयारी करनी है और चुनाव भी लड़ना है। हमने चुनाव जीतने के लिए गठबंधन किया है और चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करनी पड़ेगी।

पश्चिम बंगाल की जेलों में गर्भवती हो रहीं महिला कैदी, हाईकोर्ट के सामने आया हैरान करने वाला मामला

कोलकाता

कलकत्ता उच्च न्यायालय के सामने एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, गुरुवार को अदालत के सामने एक जनहित याचिका दायर (पीआईएल) की गई। जिसमें जानकारी दी गई कि राज्य की जेलों में महिला कैदी गर्भवती हो रही हैं। इसमें बताया गया कि जेलों में अपनी सजा काटने के

दौरान महिला कैदी गर्भवती हो रहीं हैं। यह जानकारी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति टीएस शिवगनामन और न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की पीठ के सामने लाई गई। याचिका में अदालत से सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों के उन बाड़ो में काम करने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया, जहां महिला कैदियों को रखा जाता है। इसमें कहा गया कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। न्याय मित्र ने अदालत को बताया कि जेलों में अब तक कम से कम 196 शिशुओं ने जन्म लिया है। यह मामला जेल के अंदर बंद महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों का उन बाड़ों में प्रवेश पूरी तरह रोका जाए।

राज्य सरकार को एससी-एसटी में आरक्षण के भीतर कोटा देने का अधिकार?

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी को कोटे में कोटा पर सभी पक्षों की बहस सुनकर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला देगा कि क्या राज्य सरकार को आरक्षण के लिहाज से एससी-एसटी में उप वर्गीकरण करने का अधिकार है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ इस मामले में जो भी फैसला सुनाएगी वह आने वाले समय में आरक्षण की दिशा और दशा तय करने वाला होगा। सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ इसी मुद्दे पर 2004 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए पांच न्यायाधीशों के फैसले पर भी पुनर्विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट में 23 याचिकाएं लंबित चिन्नैया के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एसीस एसटी आरक्षण में राज्य सरकार को उपवर्गीकरण करने का अधिकार नहीं है।

प्रतिबंध के बाद भी क्यों बिखरा हर तरफ प्लास्टिक कचरा?

नई दिल्ली

देश में प्लास्टिक के कचरे के निपटारे और निगरानी को लेकर एक संसदीय समिति ने केंद्र और राज्य की एजेंसियों के निरुत्साहपूर्ण रवैये की जमकर खिंचाई की है। 22 सदस्यीय लोकलेखा समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को अभी तक अमल में नहीं लाया जा सका है क्योंकि देश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्लास्टिक हर तरफ बिखरा नजर आता है।

अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति ने क्या कहा?

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति ने गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में यह टिप्पणी की है, जिसका ऑडिट दिल्ली, पंजाब और सिक्किम में बेअसर नजर आती है।

2015-20 के बीच लागू प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियमों को अभी तक लागू नहीं किया जा सका है। इस समिति ने पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या समितियों और प्रमुख मेट्रो शहरों के शहरी विकास विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई है।

कचरे के प्रबंधन की प्रणाली में कई खामियां: समिति

समिति ने रिपोर्ट में बताया है कि प्लास्टिक कचरे का मूल्यांकन, संकलन और सुरक्षित निस्तारण करने की प्रणाली में गंभीर खामियां पाई गई हैं।

इस संबंध में मंत्रालय, सीपीसीबी, एसपीसीबी या पीसीसी आदि सभी साझीदार उचित तालमेल से काम नहीं कर रहे हैं। इसीलिए इस घातक कचरे के प्रबंधन की प्रणाली में कई खामियां देखी गई हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर समिति ने क्या कहा?

समिति ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ढीले-ढाले रवैये पर निराशा जताते हुए कहा कि इस संबंध में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ठोस कदम उठाने चाहिए।

48 दाम्पत्य जोड़ो ने एक दूसरे का साथ निभाने का किया वादा

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम : प्रमुख प्रतिनिधि ने नव विवाहिता को विवाह से संबंधित किट, चांदी के आभूषण व वैवाहिक प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

मांडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार गुरुवार को सामूहिक विवाह का आयोजन बभनी हेठार स्थित प्रेमा रिसार्ट गेस्ट हाउस में किया गया। जिसमें 48 दाम्पत्य जोड़ो ने एक दूसरे का साथ निभाना का वादा किया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी मांडा अमित कुमार मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अशोक सिंह मांडा ने मौके पर पहुंचकर सरकार द्वारा निर्धारित किट सामग्री एवं सामूहिक विवाह से संबंधित सामान, चांदी के आभूषण व वैवाहिक प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं उपरोहित ने मंत्रोच्चारण के साथ विवाह को संपन्न कराया। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि जिस तरीके से भाजपा सरकार में गरीब कन्याओ को सामूहिक विवाह के माध्यम से जो शादी संपन्न करा रही है काफी सराहनीय कार्य है। सामूहिक विवाह से पिता के बोझ को हल्का करने में मददगार साबित हो रही है।

इस कार्यक्रम में मौजूद सुजीत केशरवानी, खंड विकास अधिकारी मेजा सरिता सिंह, समाज कल्याण अधिकारी मांडा रवि प्रकाश यादव, सीडीपीओ उरूआ अर्चना सिंह,एडीओ पंचायत मेजा अखिलेश तिवारी, कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप कुमार मौर्य, सीडीपीओ मांडा रमेश कुमार ,एडीओ आईएसबी जेनेंद्र कुमार राव, मांडा थानाअध्यक्ष वैभव सिंह, ग्राम विकास अधिकारी बृजेश दुबे, बृजेंद्र कुमार शुक्ला, अल्पनारायण सिंह,ग्राम प्रधान पियरी राज कुमार,राज मणि द्विवेदी, भगवान दास, मुकेश सोनकर सहित आदि लोग मौजूद रहे।

तीन दिन पहले दो पक्षों की मारपीट में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

अखंड भारत संदेश

सहसों। थाना सरायइनायत क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत जगबंधन पुर गांव में दो पक्षों के बीच जीत लाल पुत्र मेवालाल और संतोष कुमार भारतीय आदि में सोमवार की शाम जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें जमकर ईट-पत्थर चले और विवाद के दौरान मुकुंद लाल भारतीया (55) पुत्र श्याम लाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल प्रयागराज में भर्ती कराया गया। जोकि घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी होने पर पुलिस ने वादी जीत लाल की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ संतोष कुमार, वीरेंद्र कुमार, अशोक कुमार व सुभाष कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जबकि घायल अधेड़ मुकुंद लाल का इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह मौत हो गई। वहीं इस संबंध में मृतक अधेड़ का भतीजा चिरौंजी लाल उर्फ महेंद्र का आरोप है कि मेरे चाचा की मौत मारपीट में घायल होने से नहीं हुई। बल्कि उनकी स्वाभाविक मौत हुई है और वादी जीत लाल के द्वारा मेरे चाचा का नाम फर्जी ढंग से मुकदमे में डाला गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सरायइ नायत पंकज राय व चौकी इंचार्ज शिव प्रताप सिंह ने बताया कि मारपीट का मुकदमा दर्ज है। मृतक का नाम मुकदमे में फर्जी ढंग से लिखाए जाने की कोई तहरीर नहीं मिली है। फिलहाल पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही वजह क्या है कारण का पता चल सकेगा। संबंधित थाने की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

धरना स्थल पर पहुँचे एसडीएम बारा किसान नेताओं से की विस्तृत वार्ता

बारा। जसरा बाईपास के निर्माण में उचित मुआवजा की मांग को लेकर धरना दे रहे किसानों से मिलने पहुंचे नवागंतुक उपजिलाधिकारी तथा अधिशासी अभियंता नेशनल हाईवे जहां पर किसानों से देर शाम तक चली वार्ता के बाद उपजिलाधिकारी ने किसानों को सोमवार को जिलाधिकारी के साथ मीटिंग सुनिश्चित कराई ।

उपजिलाधिकारी बारा दिग्विजय सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने की दूसरे दिन नेशनल हाईवे पर धरना दे रहे किसानों से मिलने धरना स्थल पर पहुंचे । उनके साथ नेशनल हाईवे के अधिशासी अभियंता रवींद्र पाल सिंह रहे । जहां पर किसानों से कई घंटे तक चली वार्ता के बाद किसानों ने उप जिला अधिकारी की बात मानते हुए सोमवार को जिलाधिकारी से वार्ता का फैसला किया । इस अवसर पर किसानों ने बताया कि हम उचित मुआवजा सर्विस लेन के मांग के नीचे किसी भी तरह से कोई समझौता नहीं करेंगे । किसान नेता के के मिश्र ने कहा जिला अधिकारी और उप जिला अधिकारी के अलावा सांसद और उपमुख्यमंत्री से भी कई चरण की वार्ता हो चुकी है किंतु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली ।किसानो की धरना में गुरु चरण साहू ,मातादीन मिश्रा , सुंदरलाल कुशवाहा ,महेंद्र केसरवानी ,अशफीलाल रजक ,रामबाबू कुशवाहा ,भूपेंद्र कुमार , विनय कुमार केसरवानी , रामपाल आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटी महिला के शव का पुलिस ने किया शिनाख्त

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के जगतपुर पुराना पौधशाला के पास रेलवे ट्रैक पर एक अधेड़ महिला का दो टुकड़ों में शव मिला था। जिसकी शिनाख्त हो गई। जगतपुर पुराना पौधशाला के पास रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को एक अधेड़ महिला का दो टुकड़ों में शव मिला था। उप निरीक्षक महेश चंद्र निषाद ने शिनाख्त न होने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने महिला के शव को शिनाख्त का भरपूर प्रयास किया लेकिन पहचान नहीं हो सकी थी। उप निरीक्षक महेश चंद निषाद लगातार शव के शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से फोटो को वायरल किया गया फोटो देखकर मृतक महिला के जेठ व भाई भोलानाथ पाल ने उपनिरीक्षक से संपर्क किये। मर्चरी हाउस में जाकर शव को देखा तो मृतक महिला की पहचान सुनीता पाल उम्र 40 वर्ष पत्नी दयाल पाल के रूप में हुआ। मृतक महिला के जेठ ने बताया कि सुनीता पाल मानसिक रूप से विच्छिप्त थी। जिसका इलाज चल रहा था। वह दवा के लिए निकली थी। पति दूसरे प्रदेश में रहकर प्राइवेट जॉब करता है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुनई गहरपुर में स्वर्ण जयंती के मौके पर खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

अखंड भारत संदेश

मेजा। बृहस्पतिवार को दंडी स्वामी केश्वाश्रम उ०मा० विद्यालय गुनई गहरपुर मेजा में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के अवसर पर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के प्रबन्धक अशोक द्विवेदी ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम दो दिवसीय है गुरुवार को खेलकूद कार्यक्रम एवं शुक्रवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन होगा। इस विद्यायल की स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी ।यह स्वर्ण जयंती कार्यक्रम विद्यालय के संस्थापक स्व० पं० त्रिवेणी प्रसाद द्विवेदी पूर्व ब्लॉक प्रमुख मेजा के याद में किया जा रहा है ।कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि शेखर बहगुणा सदस्य अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा किया जाएगा ।कार्यक्रम में एसोसियेशन बोरिंग टेक्नीशियन प्रयागराज जिला मंत्री राजेश तिवारी भी बतौर अतिथि शामिल हुए और अपने विचार ब्यक्त किए करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से छात्र छात्राओं का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। खेलकूद के स्पर्धा में कक्षा 10 बालक वर्ग की टीम बालीबाल एवं रस्साकसी में जहां विजयी रही ।वहीं बालिका वर्ग में कक्षा 9 की टीम कब्बडी में विजयी रही और शेष खेल में कक्षा 10 की टीम विजयी रही। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक सिंह सहित समस्त अध्यापक गण छात्र छात्राएं व गणमान्य लोग संजय तिवारी विमल श्रीवास्तव शेष मनी शुक्ला दीना नाथ पाठक सुधाकर दुबे राजेन्द्र यादव सुरेन्द्र मिश्रा देवकर पांडेय ताड़केश्वर दुबे राहुल मिश्र महेंद्र चौरसिया तथा अशफाक अहमद के अलावा कई अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

टोल प्लाजा भोपतपुर सहसों पर हुई फायरिंग मचा हड़कंप

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत हंड़िया-कोखराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भोपतपुर सहसों टोल प्लाजा पर हंडिया की तरफ से आने पर नीचे उतरने वाली लेन नंबर चार पर बुधवार की देर रात कई राउंड की फायरिंग होने से हड़कंप के साथ अफरातफरी मच गयी। जानकारी होते ही सहसों पुलिस भी मौके पर पहुंच कर पूंछताछ करने लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टोल प्लाजा के प्रबंधक सिद्धार्थ प्रताप सिंह ने रात में टोल पर मौजूद होकर वाहनों की भीड़ को नियंत्रित कराने में लगे हुए थे। उसी समय अचानक चार-पांच वाहनों से असलहों से लैश कुछ अराजक किस्म के लोग आ गए। और जबरन बैरियर को तोड़कर गाड़ी निकालने लगे। टोल प्लाजा प्रबंधक का आरोप है कि मैं और मेरे कर्मचारियों द्वारा विरोध करने पर हथियार बंद वाहन सवारों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। कई राउंड फायरिंग करने के बाद गाली देते व जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। प्रबंधक के अनुसार सभी कर्मचारी फायरिंग में बिना हताहत के बाल बाल बच गए। मामले में सीसीटीवी फुटेज से वाहनों का नंबर निकाल लिया गया है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सहसों शिव प्रताप सिंह हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचकर पूंछताछ करते जांच पड़ताल करने लगे। मामले को लेकर टोल प्लाजा प्रबंधक सिद्धार्थ प्रताप सिंह ने गुरुवार को सहसों पुलिस चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। घटित मामले में चौकी प्रभारी सहसों शिव प्रताप सिंह का कहना है कि तहरीर मिली हुई है छानबीन की जा रही है।

समाजवादी पार्टी की कोराँव में हुई पीडीए जन चौपाल

पसना। विधानसभा कोराँव में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के द्वारा सेक्टर बैदवार के पड़रिया में पीडीए जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष/ कार्यालय प्रभारी यादवेन्द्र अहीर के नेतृत्व में हुई चौपाल का संचालन इंद्रेश कुशवाहा ने किया। सपाइयों ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। यादवेन्द्र अहीर ने कहा की आज देश गर्दिश में चल रहा है। इसमें लड़ाई बहुत ही मजबूती के साथ लड़ना है। भाजपा ने भ्रष्टाचार, मंहगाई, बेरोजगारी और गुंडा गर्दी की सभी हदें पार कर दी है। किसान, मजदूर, नौजवान, महिला सब परेशान हैं ।साथ मे धर्मेंद्र कुशवाहा ,लाल बिंद, अभिषेक पाल, रामकेश गौड़ अहमद अंसारी ,पप्पू आदिवासी, श्याम पाल, सौम्या जैसल, गोलू जाटव इंद्रेश कुमार, सोनल, मोनल , अनुष्का, आदित्या, गोलू जाटव ,शिल्पा ,श्रेया, सोनी,रेखा, अल्का, आदि लोग मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण की बाल लीला एवं रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनकर भाव-विभोर हुए गंगा कल्पवासी

प्रयागराज। गंगोली शिवाला मार्ग, पुल नंबर 4 अन्नपूर्णा चौराहा पर स्थित गंगा कल्पवास आश्रम के संस्थापक स्वर्गीय गंगा प्रसाद पांडेय के पुत्र तीर्थ पुरोहित चंद्र नारायण पांडेय गुड्डू शास्त्री महाराज एवं उदय नारायण पांडेय महाराज द्वारा कल्पवासियों हेतु श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा व्यास आचार्य राघवेंद्र महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा में श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी व गोवर्धन पूजा प्रसंग श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह का कथा में वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कृष्ण ने बृजवासियों को मूसलाधार बारिश से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएं उसकी ओट में सुखपूर्वक रहे। श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह प्रसंग का संगीतमय वर्णन किया। महाराज ने उधव चरित्र, महारास लीला व रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट किया।भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया ।रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर सैकड़ों कल्पवासी मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

सर पर गठरी लिए बढ़ते रहे संगम की ओर

झूंसी। मौनी अमावस्या पर्व पर संगम में आस्था की डुबकी लगाने वालों का रेला दो दिन पहले से ही माघ मेले में पहुंचने लगा था। गुरुवार की सुबह से ही पैसेंजर से उतरे श्रद्धालु जीटी रोड होते संगम की ओर जाते रहे। यही हाल बसों से आने वाले श्रद्धालुओं का भी था। झूंसी थाने के आगे बस नही जा सकी। सभी बसों को थाने के पीछे बनी पार्किंग में खड़ा करा दिया गया। तो श्रद्धालु अपना समान लेकर संगम की ओर चल दिए। गोरखपुर से अपने कुनबे के साथ बस से आये धर्मराज प्रजापति ने बताया कि वह सीधे संगम जायेगे वही रात में खुले आसमान के नीचे बिताएंगे और भोर में डुबकी लगा कर वापस लौट आएंगे। कुछ महिला पुरुष बच्चे के साथ गंगा मइया तोहे चुनरी चढ़ाउब गीत गाते संगम की बढ़ती चली जा रही थी।

गांव चलो अभियान की जानकारी लोगों को दी गई

नैनी। नैनी मंडल के माध्यम से नीरज शर्मा प्रवासी पिंटू चौबे नीरज शर्मा के नेतृत्व में जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा प्रयागराज संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में वार्ड काजीपुर, चक दाउदनगर आदि जगहों पर भ्रमण करके प्रधानमंत्री के गांव चलो की और अभियान का शुभारंभ करते हुए कार्यकताओं के द्वारा प्रत्येक नागरिक से मिलकर पत्रक वितरण करते इस अवसर पर नितिन केसरवानी उर्फ बबलू मनीष केसरवानी वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील विश्वकर्मा उमेश सेन सरदार पदविंदर सिंह कार्यकताओं के साथ काजीपुर में सभी नागरिकों से मिलकर के इस अभियान की जानकारी दी गई।

झूंसी स्टेशन पर वंदे भारत को छोड़कर सभी ट्रेन होगा ठहराव

झूंसी। मौनी अमावस्या पर्व पर संगम में डुबकी लगाने आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए झूंसी स्टेशन पर वंदे भारत को छोड़कर सभी ट्रेनों का स्टापेज होगा। जानकारी देते हुए स्टेशन अधीक्षक जेपी प्रसाद ने बताया कि शिव गंगा, मंडुआडीह नई दिल्ली सहित सभी ट्रेन शुक्रवार मौनी अमावस्या पर झूंसी स्टेशन पर रुकेगी।

दुकान पर सामान खरीदने आयी परिजनों के साथ महिला ने मोबाइल चुराया,बेल बजते ही वापस दिया

मऊआइमा। एक महिला परिजनों के साथ कस्बा में एक दुकान में सामान खरीदने लगी। आरोप है कि उक्त महिला मोबाइल चोरी करके छिपा ली। दुकानदार को पता लगा तो वह दूसरे मोबाइल से फोन कर दिया। शर्मसार महिला ने चुराया मोबाइल वापस कर दिया ।जिसे लेकर क्षेत्र में चर्चा बना हुआ है। मऊआइमा कस्बा में एक दुकानदार के यहां एक महिला ने परिजनों के साथ आयी। बताया गया है कि उक्त महिला ने चुपके से दुकानदार का मोबाइल चुरा ली ।जब दुकान को चोरी की शंका हुई तो वह अन्य मोबाइल से बेल बजा दी। शर्मसार महिला ने छिपाई मोबाइल को वापस कर हाथ जोड ली। उक्त घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

जंघई। नागरिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंघई में सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में गुरुवार को निबंध एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम संयोजक प्रो0 रवि कुमार मिश्र ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपने भविष्य को संवारने के लिए हमेशा प्रयासरत रहने के लिए प्रोत्साहन किया। मनोविज्ञान की प्राध्यापिका आयुषी मौर्या ने प्रतियोगी परीक्षा, जीवन शैली एवं तनाव पर भी अपने विचार रखे। समाजशास्त्र विभाग के डॉ ओमप्रकाश मिश्र एवं डॉ रामप्रसाद यादव ने इस अवसर पर अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर कल्याणपुर सम्मानित

शंकरगढ। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के *नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस* कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उपकेंद्र) कल्याणपुर को 79% अंक प्राप्त करने पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग उत्तर प्रदेश ने उक्त केंद्र के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व एएनएम के साथ पूरी टीम को बधाई भेजी है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग उत्तर प्रदेश पार्थ सेन सारथी द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर कल्याणपुर ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के *नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस* कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में 79%अंक प्राप्त *नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस सर्टिफिकेट* प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया है। इसके लिए उन्होंने सामुदायिक स्वास्थय अधिकारी अभिषेक जायसवाल के साथ एएनएम सिन्धू सिंह व राखी सचान को बधाई पत्र भेजा है। यही नहीं उन्होंने लिखा है कि आप लोगों के उत्कृष्ट कार्य से निश्चित ही हमारा स्वास्थ्य विभाग नित नई उपलब्धि हासिल करेगा। प्रमुख सचिव ने इस टीम से आगे भी इससे और बेहतर कार्य करने की अपेक्षा करते हुए अन्य कर्मियों को भी इसी लगन से कार्य करने की अपील की है। प्रमुख सचिव द्वारा उक्त केंद्र के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को भेजे गए बधाई संदेश की विभाग के साथ क्षेत्र में काफी प्रशंसा हो रही है।

किसान नेता राजीव चंदेल समेत 500 लोगों ने ली भाकियू (किसान) की सदस्यता

बारा। किसान नेता राजीव चंदेल समेत 500 किसान भारतीय किसान यूनियन (किसान)में शामिल हो गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन ठाकुर के निर्देश पर भाकियू (किसान) गुट ने जारी मंडी में गुरुवार को बैठक कर नयी कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष की संस्तुति पर राजीव चंदेल को मंडल अध्यक्ष भाकियू (किसान) प्रयागराज मंडल बनाया गया। साथ ही मंजू राज आदिवासी को मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा, राहुल सिंह बघेल को मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा, मोहीनी पांडेय मंडल महासचिव महिला मोर्चा, राकेश त्रिपाठी मंडल महासचिव, रूपेश त्रिपाठी मंडल महासचिव विधि प्रकोष्ठ, भइया जी मिश्रा मंडल महासचिव युवा मोर्चा, कृष्ण राज सिंह उर्फ दीपू सिंह को जिलाध्यक्ष प्रयागराज, धर्मेन्द्र सिंह को जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा प्रयागराज, मीनाक्षी आदिवासी को मंडल अध्यक्ष सोशल मीडिया, मधु आदिवासी कार्यकारी जिलाध्यक्ष, मनोरमा आदिवासी वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष, रूपा आदिवासी मंडल उपाध्यक्ष, बबिता गौतम मंडल उपाध्यक्ष, सत्येन्द्र त्रिपाठी मंडल उपाध्यक्ष, बिहारी लाल प्रजापति मास्टर जी जिला महासचिव, अतीश सिंह जिला उपाध्यक्ष, अरुण सिंह ब्लाक अध्यक्ष शंकरगढ, राम बहादुर कुशवाहा ब्लाक अध्यक्ष जसरा, शंकराचार्य ब्लाक अध्यक्ष मेजा, शिवशंकर सिंह मुन्ना जिला उपाध्यक्ष एवं तहसील प्रभारी मेजा, रितु ब्लाक अध्यक्ष करछना, माया यादव ब्लाक अध्यक्ष मेजा, विजय लक्ष्मी ब्लाक अध्यक्ष जसरा, रानी आदिवासी ब्लाक अध्यक्ष शंकरगढ, नीलम विश्वकर्मा ब्लाक अध्यक्ष कौंधियारा, मंटू सिंह परिहार तहसील प्रभारी कोरांव, कोयल सिंह बघेल तहसील अध्यक्ष बारा के पद पर नियुक्त करने के अलावा 125 युवाओं को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

मौनी अमावस्या आज करोड़ों लोग लगाएंगे संगम में आस्था की डुबकी

अमावस्या का मेला चप्पे-चप्पे पर पुलिस मुस्तैद,सीसीटीवी कैमरे/ड्रोन से हो रही निगरानी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को माघ मास के महा स्नान पर्व मौनी अमावस्या के एक दिन पूर्व से ही संगम तट पर स्नानार्थियों/श्रद्धालुओं का स्नान और दान करने के लिए रेला उमड़ पड़ा है। तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरती पर माघ मेला के तीसरे और सबसे प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालु पावन संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए तीर्थराज प्रयाग की नगरी संगम में लगातार आ रहे हैं इस महापर्व पर आस्था का जनसैलाब उमड पड़ा हैं जिधर भी नजर जा रही है श्रद्धालु/स्नानार्थी ही दिख रहे हैं। मेला क्षेत्र में दिन ढलने के साथ-साथ श्रद्धालुओ/स्नानार्थियों की भीड़ निरंतर बढ़ती जा रही है श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान हेतु सभी प्रवेश द्वारों/चौराहों/पार्किंग स्थलों/स्नान घाटों पर व्यापक पुलिस प्रबन्ध किए गए,जिसके तहत सम्पूर्ण मेला क्षेत्र मे नागरिक पुलिस,यातायात पुलिस,महिला पुलिस,अग्निशमक दल,पीएसी के जवान, घुड़सवार पुलिस,

आरएएफ, एटीएस के कमाण्डो व बम निरोधक दस्ता की टीमें व्यवस्थापित की गई हैं संगम घाट पर जल पुलिस के साथ-साथ मोटर-बोट नियुक्त कर स्नानार्थियों/श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबन्ध किये गये हैं एवं गोताखोर/डीप डाइवर के भी समुचित प्रबन्ध किये गये हैं। स्टीमर के माध्यम से लगातार संगम घाटों की निगरानी की जा रही है। सुरक्षा के दृष्टिगत घाटों/जल में लगे एसडीआरएफ/फ्लड कम्पनी के जवानों द्वारा सतर्कता बरती जा रही है। मेला क्षेत्र में आने-जाने वाले सभी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों से 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से लगातार अनुरोध किया जा रहा है कि सावधानी पूर्वक स्नान करें, किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु को हाथ न लगायें। सुरक्षित स्नान कर अपने गंतव्य को सकुशल वापस जाये। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन के माध्यम से चप्पे-चप्पे पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है मेला क्षेत्र में आने-जाने वाले स्नानार्थियों/ श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई असुविधा न हो इसके लिए मेला क्षेत्र में पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है।

सभी श्रद्धालुओं स्नार्थियों से मेला प्रशासन ने निर्धारित मार्गो का ही प्रशासन ने किया अनुरोध

1.परेड क्षेत्र से मेला क्षेत्र की ओर आने वाले श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों से अनुरोध हैं राम घाट,संगम घाट पर ही स्नान करें।

2. झूसी की ओर से मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों से अनुरोध है कि झूसी की तरफ बने स्नान घाटों पर स्नान करें ।

3. शहर वासियों से अनुरोध है की नई सुविधा नया मार्ग का प्रयोग करते हुए हाशिमपुर फ्लाईओवर के माध्यम से बक्शी बाँध होकर नागवासुकी इंटरलॉकिंग के रास्ते निर्धारित स्नान घाटों पर पहुँचकर कुशलता पूर्वक स्नान करें ।

4.मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालु /स्थानार्थी परेड से झूसी की ओर प्रवेश करने के लिए पाण्टून पुल 01,03,05 का प्रयोग करें और झूसी से परेड की तरफ आने के लिए 02,04,06 पाण्टून पुल का प्रयोग करते हुए संबंधित क्षेत्र में प्रवेश करें इस महापर्व मौनी अमास्या के अवसर पर लगातार मेला क्षेत्र मेला प्रभारी डॉ0 राजीव नारायण मिश्र आईपीएस द्वारा समस्त पुलिस कर्मियों की कुशलता लेते हुए ड्यूटी पर उनके साथ मुस्तैद होकर उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा हैं एवं कमाण्ड सेंटर के माध्यम से मेला क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी लगातार मेले का हाल लिया जा रहा हैं एवं सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।

नए पुल पर चाइनीज मंझे से अधिवक्ता का अंगूठा कटा, गर्दन भी लहूलुहान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर में रोक के बावजूद इस्तेमाल किए जा रहे चाइनीज मंझे की चपेट में आने से अधिवक्ता पंकज द्विवेदी जख्मी हो गए। न्यायालय से घर लौटते समय दोपहर बाद यह घटना नए यमुना पुल पर हुई। इससे उनका अंगूठा व गर्दन जख्मी हो गई। उन्होंने इसकी शिकायत कीडगंज पुलिस से की है।अधिवक्ता घूरपुर के चकसारीपुर गांव के रहने वाले हैं। रोज की तरह बुधवार को भी वह न्यायालय आए थे। दोपहर बाद वह बाइक से घर लौटते समय यमुना पुल पर अचानक चाइनीज मंझा उनके गले व हाथ में फंस गया। इससे उनकी गर्दन व अंगूठा जख्मी हो गया। वहां से वह पास स्थित एक अस्पताल पहुंचे और उपचार कराया। उन्होंने इसकी सूचना दी तो डायल 112 के पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद अधिवक्ता ने कीडगंज थाने में तहरीर दी।

कागजों में सात साल पहले ही बंद

चाइनीज मंझे के खतरों को लेकर लोग जागरूक हो नहीं रहे हैं और पर्याप्त सख्ती न होने के चलते इनका इस्तेमाल करने वालों पर लगाम भी नहीं लग पा रही है। नतीजतन लगातार हादसे हो रहे हैं। यह हाल तब है जब राज्य सरकार की ओर से सात साल पहले ही इस पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। 16 नवंबर 2017 को इस संबंध में शासनादेश भी जारी किया गया, जिसके तहत इसे बनाना, रखना, बेचना ही नहीं बल्कि इस्तेमाल करना भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

संघ एवं भाजपाइयों ने जिला महामंत्री के घर पहुंच शोक संवेदना व्यक्त किया

प्रयागराज। भाजपा जिला महामंत्री डॉ. विजय शंकर शुक्ल के निधन के पश्चात शोक संवेदना व्यक्त करने नारीबारी आवास पर संघ एवं भाजपाइयों का तांता लगा है। मंगलवार को सांसद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी के बाद बुधवार को संघ के फरूख्खाबाद विभाग प्रचारक सर्वेश जी, पूर्व जिलाध्यक्ष विभूति नारायण सिंह,विभवनाथ भारती, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शोभनारायण द्विवेदी, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी,रंगवली पटेल, वीरेंद्र शुक्ला,गोविंद शरण सिंह, राम लखन गुप्त,संतोष सिंह, सुभाष सिंह,सुधाकर सिंह, धर्मराज पाल, पुरूषोत्तम मौर्य,राम त्रिपाठी आदि ने छोटे भाई सूर्यकांत शुक्ल, पुत्र विमल शुक्ला, कमल शुक्ला, विकास चन्द्र शुक्ला से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

बिटोला की हत्या में पुलिस को मिले अहम सुराग

झूंसी। भतकार गांव की बिटोला निषाद की हत्या के मामले में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। हत्याकांड का खुलासा करने के लिए क्राइम ब्रांच व झूंसी पुलिस गुरुवार को एक बार फिर घटना स्थल पहुची और आस पास खेती करने वाले किसानों से पूछताछ की जल्द ही पुलिस हत्याकांड का खुलासा कर सकती है। लकड़ी लेने कछार में गई बिटोला का शव बीते रविवार को गंगा कछार में आधा बालू में दबा मिला था। उसके शरीर पर धारदार हथियार के कई घाव थे। सीन फटा था और दिल गायब था चेहरे पर चोट थी एक आँख बाहर आ गई थी। पुलिस व क्राइम ब्रांच मिल कर ताफ़ीश कर रही है। बार बार बयान बदलने की वजह से पुलिस को महिला का पति ही संदिग्ध लग रहा हैं। हालांकि क्षेत्र के कई तांत्रिक भी पुलिस के राडार पर है। पुलिस को कछार से दो खून लगी हसिया मिली है। मृतका की करीबी महिला से पुलिस को कई अहम सुराग मिले। उसी कड़ी को पुलिस जोड़ने में लगी है और जल्द ही हत्या का खुलाशा कर सकती है।

मण्डल स्तरीय कृषि निर्यात निगरानी समिति की बैठक 15 फरवरी को

प्रयागराज। कृषि निर्यात नीति-2019 के अन्तर्गत प्रयागराज मण्डल के जनपदों यथा प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं प्रतापगढ़ में कृषि उपज/उत्पादों एवं निर्यात को बढ़ाने, निर्यात की प्रगति एवं निर्यात में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु मण्डल स्तरीय कृषि निर्यात निगरानी समिति की बैठक दिनांक 15.02.2024 को मध्यान्ह 12:00 बजे गांधी सभागार, कार्यालय मण्डलायुक्त, प्रयागराज में आयोजित की गयी है। यह जानकारी सहायक कृषि विपणन अधिकारी/ सदस्य सचिव, कृषि निर्यात निगरानी समिति प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज श्री कमल कान्त त्यागी ने दी है।

अभिनेता राजपाल बोले : हर बार संगम पर खींच लाती है दद्दा की प्रेरणा

प्रयागराज। फिल्म अभिनेता राजपाल यादव ने कहा, हर बार दद्दा की प्रेरणा संगम की रेती पर खींच लाती है। संगम की रेती पर बुधवार को सेक्टर पांच स्थित दादा जी के शिविर में गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री के सानिध्य में पार्थिव शिवलिंग निर्माण और विसर्जन के बाद राजपाल ने कहा, संगम क्षेत्र की छटा निराली है। संगम मेरी सांसों में हैं। दिल की धड़कनों में संगम बसता है। पूज्य गुरुदेव दद्दा जी की प्रेरणा ही हर बार संगम की रेती पर खींच लाती है। पं. देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी के शिष्य मंडल और देश भर से आए शिव भक्तों की ओर से हजारों पार्थिव शिवलिंग का निर्माण एवं रुद्राभिषेक किया गया।

मण्डलायुक्त ने किया प्रयागराज मेट्रो लाइट की समीक्षा बैठक

मेट्रो लाइट को दो कॉरिडोर्स पर चलाने पर सहमति बनी है, लगभग 8125 करोड़ की लागत से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट तथा लैंड एक्विजिशन के साथ-साथ 30 वर्षों का ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस कराया जाना प्रस्तावित है

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता एवं उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण अरविंद कुमार चौहान की उपस्थिति में प्रयागराज मेट्रो लाइट की समीक्षा बैठक विकास प्राधिकरण कार्यालय स्थित सभागार में संपन्न हुई जिसमें मेट्रो लाइट के संबंध में कुछ आवश्यक बिंदुओं पर सहमति बनी। मेट्रो लाइट को दो कॉरिडोर्स पर चलाने पर सहमति बनी है। प्रथम कॉरिडोर बरौली से सिटी लेक फॉरेस्ट वाया हाई कोर्ट बनाना प्रस्तावित है एवं इसके अंतर्गत 20 स्टेशन बनाने का सुझाव कार्यदाई संस्था द्वारा दिया गया है। इसकी कुल लंबाई लगभग 23 किलोमीटर होगी। द्वितीय कॉरिडोर शांतिपुरम से छिवकी वाया तेलियरगंज

एवं मिंटो पार्क बनाना प्रस्तावित है जिसकी कुल लंबाई लगभग 21 किलोमीटर होगी तथा इसमें 19 स्टेशन बनाना प्रस्तावित हैं। दोनों कॉरिडोर्स के अंतर्गत प्रयागराज के प्रमुख टूरिस्ट स्थल कवर किए जाएंगे। इनमें संगम, इलाहाबाद फोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा इलाहाबाद म्यूजियम समेत अन्य स्थल सम्मिलित हैं । परियोजना की कुल लागत लगभग 8125 करोड़ होगी जिसके अंतर्गत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट तथा लैंड एक्विजिशन के साथ-साथ 30 वर्षों का ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस भी किया जाएगा।मण्डलायुक्त ने परियोजना से संबंधित सभी डीटेल्स सभी स्टेकहोल्डर्स, जिसमें खास तौर से जन प्रतिनिधि सम्मिलित हैं, से शेयर करते हुए उनके फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं । साथ ही सभी संबंधित विभागों के फीडबैक भी 15 दिन के अंदर लेते हुए अग्रेतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत अधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों के पास प्रस्तावित स्टेशनों के कंजेशन पॉइंट्स को समझते हुए वहां पर पर्याप्त मात्रा में पार्किंग एवं फीडर यातायात से जुड़े सॉल्यूशंस पर भी कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

गृहकर वसूली अभियान-खुल्दाबाद व फाफामऊ में सीलिंग की कार्यवाही

प्रयागराज। नगर विकास विभाग उ0प्र0शासन से प्राप्त निदेर्शों के अनुपालन में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पी0के0द्विवेदी द्वारा गृहकर के छोटे बकायेदारों में आर्थिक रूप से विपन्न/विकलांग/निराश्रित एवं रोजमर्रा का कार्य करने वाले ऐसे किसी भी भवन स्वामी के साथ सहानुभूतिपूर्वक उनको बकाया गृहकर जमा करने हेतु अवगत कराया, किन्तु वर्षों से बकाये के रूप में गृहकर को रोकने वाले ढीठ भवन स्वामियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु चेतावनी जारी की गयी जिसपर अमल करते हुए जोनल कार्यालय खुल्दाबाद एवं ट्रान्सपोर्टनगर में 12 बकायेदारों से रू0-01.62 लाख गृहकर मद में जमा कराया गया साथ ही दो भवन संख्या 205डी

तथा 11ए/9 झूलेलाल नगर भवन स्वामी राजेश कुमार व श्री राजू दयाली चैरीटेबल ट्रस्ट पर बकाया गृहकर न जमा करने के कारण सीलिंग की कार्यवाही की गयी। जोनल कार्यालय कटरा के अन्तर्गत 07 बडे. बकायेदारों के विरूद्ध वसूली की कार्यवाही करते हुए 04 भवन स्वामियों द्वारा भुगतान करते हुए रू0-02.18 लाख गृहकर मद में जमा कराया गया तथा फाफामऊ में भी 07 बडे. गृहकर के बकायेदारों में से 06 भवन स्वामियों से रू0-08.10 लाख गृहकर के मद में जमा कराते हुए एक भवन संख्या 249/147 फाफामऊ ग्राम, द वर्मा सेल्स कम्पनी ऑफ रानिया पर सीलिंग की कार्यवाही की गयी इस भवन पर रू0-51.00 लाख गृहकर की धनराशि बकाया थी। इस प्रकार जोनों से कुर्की वसूली के दौरान गृहकर में प्राप्त कुल धनराशि रू0-11.90 लाख कैश/चेक के माध्यम से वसूलयावी की गयी। कार्यवाही के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के नेतृत्व में कर अधीक्षक कटरा श्रीमती जया सिंह, कर अधीक्षक अल्लापुर झम्मन सिंह व कर अधीक्षक खुल्दाबद राजेश सिंह के साथ में नगर निगम प्रर्वतन दल की टीम कार्यवाही में शामिल रहे।

पार्षद राकेश जयसवाल ने ली भाजपा की सदस्यता

लिया संकल्प 2024 में मोदी सरकार

नैनी। नैनी चक रघुनाथ वार्ड नंबर 20 के पार्षद राकेश जयसवाल ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवादी विचारधारा जनकल्याणकारी नीतियों व ऐतिहासिक विकास से प्रभावित होकर। बुधवार को आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक आदि के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर 2024 लोकसभा चुनाव में एतिहासिक जीत का संकल्प लिया। इस अवसर पर धर्मराज पटेल, गुड्डू गुडविल गैरेज, पिंटू जैन, दिनेश केसरवानी, हाशिम खान, सोनू मिश्रा, मोनू जायसवाल, चंदबली जाट ने शुभकामनाएं दीं।

युवक ने की खुदकुशी पत्नी से चल रहा था तलाक का केस

झूंसी। पारिवारिक कलह से परेशान युवक ने कमरे के अंदर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के मामा ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुची पुलिस ने दरवाजा तोड़ शव को फंदे से उतार पीएम के लिए भेज दिया। शव एक दिन पुराना बताया जा रहा है। मामला झूंसी थाना क्षेत्र के आवास विकास कालोनी योजना 3 का है।

मूलतः जौनपुर थाना गौरा बादशाहपुर के पिलखिनी निवासी चंदन सिंह 34 पुत्र कमलेश सिंह एक चॉकलेट कंपनी में काम करता था और झूंसी के आवास विकास कालोनी योजना 3 में किराए के कमरे में रहता था। गुरुवार को चंदन का मामा उसके कमरे पर आया अंदर से दरवाजा बंद था। कई बार बुलाने के बाद भी जब कोई अंदर से आवाज नहीं आई तो बाहर लगी खिड़की से

देखा तो अंदर कमरे में चंदन का शव फंदे से लटक रहा था। मामले की सूचना परिजनों के साथ ही पुलिस को दी गई मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई कुछ घंटे बाद जब परिजन जौनपुर से आये तब पुलिस ने उनकी मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर चंदन के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि चंदन अपने माता पिता का इकलौता लड़का था। पांच साल पहले उसकी शादी आजमगढ़ की रुचि से हुआ था। उसको तीन साल कि एक बेटी है। पुलिस की माने तो उसका पत्नी से तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है तब से चंदन तनाव में रहता था।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कालाकाकर मे 35 जोड़े हुए एक दूजे के

कालाकांकर में 11 व कुंडा के 23 व एक मुस्लिम जोड़े सामूहिक विवाह में शामिल

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह मे ब्लाक कालाकांकर परिसर मे गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक कालाकांकर के 11 जोड़े व कुंडा ब्लाक के 23 हिंदू व एक मुस्लिम जोड़े एक दूजे के लिए हुए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम को आचार्य अखिलेश त्रिपाठी कालाकांकर, आचार्य कृपाशंकर त्रिपाठी सलवन व आचार्य हर्ष त्रिपाठी कालाकांकर ने वेदो मंत्रोंचारण के साथ सम्पन कराया। सभी नव विवाहिता जोड़ो को शासन की तरफ से बर्तन, पायल चाँदी की, साड़ी, कुकर,गैस चूल्हा व अटैची मे वर वधू को समाज कल्याण विभाग की तरफ से उपहार भेट किये गये।

कुंडा ब्लाक के मुस्लिम जोड़ी राजिया बानो को काजी ने निकाह पढ़ाया। सामूहिक विवाह मे मंच पर आसीन पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के दौरान मौजूद अधिकारीगण

सिंह भाजपा के शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, संतोष कुमार त्रिपाठी, मानिकपुर नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि डिंपू जायसवाल, मो हाशिमी, सामूहिक विवाह के नोडल अधिकारी एव सहायक अभियंता लघु सिचाई विक्रमाजीत, खंड विकास अधिकारी कालाकांकर प्रवीन कुमार श्रीवास्तव, ए डी ओ पंचायत सहायक संतोष कुमार शुक्ला ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम विकास अधिकारी अभिषेक शुक्ला,सुशील कुमार जायसवाल,आर पी यादव, अनुराग यादव, रवि शंकर सोनकर, ब्यास कुमार मौर्य आई एस बी, श्रीराम, उर्मिला यादव, अंकिता जायसवाल, ज्योति यादव, आफताब अहमद, सुनील सिंह, शशिकात सिंह, प्रभांशु पांडे, पन्नालाल, योगेश कुमार पाल, शिव प्रकाश, मंदीप साहू, संदीप व समाज कल्याण अधिकारी कालाकांकर महेंद्र सिंह के साथ कुंडा एडीओ कोआपरेटिव यशवंत सिंह के साथ अन्य स्टॉफ ने मिलकर सामूहिक विवाह को सकुशल सम्पन कराया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या मे पुलिस बल मौजूद रही। कार्यक्रम मे ब्लाक प्रमुख कालाकांकर रमेश सरोज, रमेश सिंह प्रमुख एव प्रधान प्रतिनिधि सहित समस्त ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान व ब्लाक के स्टॉफ मौजूद रहे। विवाह सम्पन होने के बाद सभी वर वधू पक्ष के लोगो को ब्लाक परिसर मे भोजन कराया गया और भाव भीनी नम आँखो से विदाई की गई। ब्लाक कालाकांकर परिसर मे आयोजित सामूहिक विवाह मे ब्लाक कालाकांकर के विवाहित जोड़े आशा यादव संग गुड्डू यादव, पूजा देबी संग सूरज पटेल, निशा देबी संग शुभम पटेल, आरती पटेल संग राजा बाबू, मोहनी संग जीतू, सपना पटेल संग ब्रजेश पटेल, सुशीला देबी संग आंनद, संजना देबी संग आशीष, रूपा देबी संग नारेन्द्र, कुसुम संग अशोक कुमार, पिंकी देबी संग शैलेन्द्र कुमार ने अपने जीवन साथी के गले मे जयमाल पहनाकर एक दूजे के हुए। कुल 13 जोड़े का विवाह होना था जिसमे दो जोड़े कड़रौ ग्राम पंचायत के शामिल नही हो सके। ब्लाक परिसर मे आयोजित सामूहिक विवाह मे कुंडा ब्लाक के 28 जोड़ो मे 4 जोड़े नही शामिल हुए जिनमें एक जोड़े कृष्णा देबी के जीवन साथी ट्रेन से नही आ सके। कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास अधिकारी ब्यास कुमार मौर्य व अनुराग यादव ने किया। इसी क्रम ब्लाक बाबागज मे आयोजित सामूहिक विवाह मे 24 हिन्दु व 2 मुस्लिम जोड़े का विवाह सम्पन हुआ जिसमे आचार्य श्याममूर्ति पांडेय आलापुर रेलवे क्रांसिंग, आचार्य कुलदीप नारायण मिश्रा,आचार्य जीतलाल तिवारी ने खंड विकास अधिकारी बाबागंज अरुण कुमार व ए डी ओ प्रभुनाथ की देखरेख मे सम्पन्न हुआ।

पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर के साथ छात्राएं।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता में आन्या अव्वल

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरेश कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी मान्धाता के निदेर्शानुसार उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई बच्चों ने प्रतिभाग किया, जिसमें आन्या विश्वकर्मा प्रथम स्थान, शगुन द्वितीय स्थान, सुहानी सिंह एवं लक्ष्मी जायसवाल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिमांशु अग्रहरी, आस्था, साकेत क्रमशः चैथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया है। शासन के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम मनाए जाने के निर्देश दिए गए थे। उसी क्रम में विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत आज पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। इस मौके पर मो० फरहीम, आशा मिश्रा, शिखा श्रीवास्तव, नीतू वर्मा, रोशन आदि उपस्थित रहे। सुरेश कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी मान्धाता एवं भूपेंद्र सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ ने बच्चों को बधाई दी है।

तालाबी अराजी पर अवैध कब्जे की एसडीएम से हुई शिकायत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा करके खेती करने के आरोप को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत करके कार्रवाई की मांग की है। लालगंज तहसील के गारापुर गांव निवासी फूलचंद्र वर्मा, रामकृपाल वर्मा, रामशंकर वर्मा आदि ने एसडीएम लालधर सिंह यादव को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि गांव स्थित तालाब की जमीन पर गांव के कुछ लोग अवैध कब्जा जमाकर खेती कर रहे हैं। मामले की कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नही हो रही है। ग्रामीणों ने जनहित में तालाब की भूमि के अवैध अतिक्रमण हटवाये जाने की मांग की है। मामले में एसडीएम ने तहसीलदार को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

मारपीट धमकी पर चार के खिलाफ दर्ज हुआ केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गालीगलौज मारपीट व धमकी को लेकर कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे खरगू कैथौला गांव की नीशा पाल पत्नी शिवशंकर पाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि छः फरवरी की सुबह साढ़े दस बजे रंजिश को लेकर गांव के रामपाल की पत्नी आशा अपने पुत्रों कौशल व शैलेष तथा पुत्री आरती के साथ उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। मना करने पर आरोपियों ने मारपीट की तथा कहीं शिकायत पर जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाल अवन दीक्षित का कहना है कि मामले में जांच के बाद आशा समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

घर में अवैध कब्जे का विरोध करने पर हुई पिटाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थानान्तर्गत पांती गांव के विनोद कुमार पुत्र धर्म नारायण का आरोप है कि वह अपने काम से दो फरवरी को प्रतापगढ़ शहर गया था। इधर शाम करीब चार बजे गांव पडोसी लालती पत्नी मेवालाल तथा उनकी पुत्री अंतिमा तीन अज्ञात लोगों के साथ उसके घर के कमरे का ताला तोड़कर जबरन कब्जा कर लिया। पीड़ित के वापस लौटने पर उसके द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट किया। बचाव में आयी पीड़ित की भाभी निर्मला को भी मारपीट कर घायल कर दिया। एसओ नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

देशी बम के साथ आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने देशी बम के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर गुरूवार को न्यायालय भेज दिया। थाने के दरोगा गणेश दत्त पटेल गुरूवार सुबह हमराहियों के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर घरौरा मोड के पास घेराबंदी करके मोहम्मद इसरार उर्फ सिस्टम पुत्र मो. जमा निवासी गाबी महुआवन को चार देशी बम के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया।

बेटे ने पत्नी व ससुरालीजनों के साथ मिलकर मां को पीटा, केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बेटे ने पत्नी व ससुरालीजनों के साथ मिलकर अपनी मां की पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थानान्तर्गत सगरा सुंदरपुर गांव की नीलम देवी पत्नी श्याम बिहारी मिश्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तीन फरवरी को दोपहर करीब दो बजे उसका पुत्र शिवम अपनी पत्नी रिया तथा ससुराल के लालता प्रसाद दुबे व गुडडू के साथ मिलकर मकान को उसके नाम से कानूनी लिखापढ़ी कर देने का दबाव बनाने लगे। पीड़िता के मना करने पर आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए उसे लाठी डण्डे से मारापीटा। आसपास के लोगों के बचाव में पहुंचने पर आरोपीगण जान से मारने की धमकी देते चले गये। एसओ नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

नाबार्ड की किसान उत्पादक संगठनों की कार्यशाला सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद में समस्त कृषक उत्पादक संगठन (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑगेर्नाइजेशंस) के पदाधिकारी की एक कार्यशाला गोंड़े जीपीएस में जिसमें संपन्न हुई, जिसमें लखनऊ से पधारे चार्टर्ड अकाउंटेंट आकाश गर्ग एवं श्रीमती दीप्ति अग्रवाल ने कृषक उत्पादक संगठनों के नियम, संचालन उत्पादन को किस तरह से अधिक आय के साथ विक्रय किया जाए।

संचालन में कानूनी प्रावधान आदि विषयों पर विशद रूप से कृषि उत्पादक संगठनों के पदाधिकारीगणों को अवगत कराया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, कालाकांकर के पधारे कृषि वैज्ञानिक डॉ. भास्कर शुक्ला ने कृषक उत्पादक संगठन हेतु विपरण के तरीकों पर विशेष चर्चा की। अग्रणी बैंक प्रबंधक गोपाल शेखर झा ने एफपीओ को बैंकों व वित्तीय संगठन द्वारा मिलने वाले ऋण सुविधाओं पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनोद कुमार यादव, उप कृषि निदेशक, प्रतापगढ़ ने कृषि उत्पादक संगठनों की कैसे सहायता की जाती है और उनके उन्नयन हेतु शासकीय नीति तथा योजनाओं पर विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्थाओं का लाभ पाने के लिए छोटे उत्पादकों के पास व्यक्तिगत रूप से मात्रा (इनपुट और उत्पादन दोनों) नहीं होती है। एफपीओ का मुख्य उद्देश्य अपने स्वयं के संगठन के माध्यम से उत्पादकों के लिए बेहतर आय सुनिश्चित करना है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक बिजेंद्र कुमार ने इन कार्यशालाओं के आयोजन से एफपीओ से जुड़े पदाधिकारी कार्यकर्ता आदि को कैसे आर्थिक विकास के मार्ग पर बढ़ावा मिले, इन बातों को समझाते हुए आमंत्रित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वित्तीय सलाहकार एवं ऋण सामान्य शिशिर खरे द्वारा किया गया। विजय भान सिंह-स्टेट हेड सीबीबीओ, दिनेश तिवारी, अभय सिंह, शांतनु शेखर सिंह, संजीव कुमार, विनय विश्वकर्मा, अमृता दुबे आदि की उपस्थिति रही।

छह ब्लाकों में 10 फरवरी से चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 10 फरवरी से अभियान चलाकर जिले के छह ब्लाकों में फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। यह बातें सीएमओ डा. जीएम शुक्ल ने गुरुवार को कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि यूपी में रामपुर पहला जनपद है, जो फाइलेरिया मुक्त है। हमारा प्रयास होगा कि प्रतापगढ़ सूबे का दूसरा फाइलेरिया मुक्त जनपद बने।

सीएमओ ने बताया कि जिले के संवेदनशील छह ब्लाकों आसपुर देवसरा, कालाकांकर, मानधाता, पट्टी, सदर एवं शिवगढ़ में 10 से 28 फरवरी तक घर-घर जाकर फाइलेरिया की दवा खिलाई

कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में बोलते सीएमओ डा0 जीएम शुक्ल।

जाएगी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया की दवा दो साल से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं व गंभीर रूप से बीमार लोगों को नहीं दी जानी है। जिले में 12 लाख 23 हजार 981 लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के नोडल कोआर्डिनेटर डब्ल्यूएचओ डा. निशांत कुमार ने बताया कि जिले में इस समय फाइलेरिया के 618 मरीज चिह्नित किए गए हैं। दवा खिलाने के लिए स्कूलों में बूथ बनाया गया है। इस अवसर पर डीएमओ केपी द्विवेदी, अपेक्षा भूषण, एलटी संत लाल मिश्र, शशिभूषण, अनिल कुमार दुबे, फाइलेरिया निरीक्षक प्रतिभा देवी आदि रहीं।

श्रीरामायण संस्कार परीक्षा में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विकासखण्ड लक्ष्मणपुर अन्तर्गत डा10 कलाम आधारशिला एकेडमी में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा महाराजा सुहेलदेव जनसेवा न्यास के तत्वाधान में श्रीरामायण संस्कार परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें कुल पचपन बच्चों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी बच्चों को मेडल तथा अन्य बच्चों को भी पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष संजय उपाध्याय के द्वारा मेडल व प्रमाण पत्र प्राप्त कर बच्चों में खुशी दिखी। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के प्रबंधक अभय शुक्ल ने किया। इस मौके पर नागेन्द्र भूषण शुक्ल, बृजेश शुक्ल, निर्भय शुक्ल, विभूति शुक्ल आदि मौजूद रहे।

तेंदुआ की चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत

लालगंज के बभनपुर में दिखा वन्य जीव, गांव पहुंची वन विभाग की टीम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। तेंदुआ की चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। कई दिनों से गांव के पास लोगो ने तेंदुआ को घूमते हुए देखा। जानकारी पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच करने में जुट गई।

स्थानीय विकास खंड के बभनपुर में कई दिनों से गांव के पास चहल कदमी करते हुए गांव के लोगों ने एक तेंदुआ देखा। ग्रामीणों ने देखा कि यह वन्य जीव गांव के पास कई वर्षो से बंद पड़े ईंट भट्ठे के अंदर से देर शाम निकलता है और इधर-उधर घूमने के बाद पुनः चला जाता है। तेंदुआ की खबर

वन में तेंदुआ की तलाश करती वन विभाग की टीम।

पूरे गांव के साथ ही आस पास के क्षेत्र में फैल गई।लवाना राजमार्ग पर बसे बभनपुर में तेंदुआ की दहशत ग्रामीणों के साथ ही राजमार्ग से होकर जाने वाले राहगीरों के अंदर भी दिखाई दिया। गांव में तेंदुआ आने की खबर मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र भी पूरी टीम के साथ गांव पहुंच गए। ग्रामीणों के बताने के मुताबिक वन विभाग की टीम ने चारो तरफ वन्य जीव को खोजने का प्रयास करती हुई दिखी, लेकिन न तो तेंदुआ दिखा और न ही उसके कोई चिन्ह मिले। वन क्षेत्राधिकारी ने गांव वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं वन कर्मियों को भी ध्यान देने के लिए कहा है। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र ने बताया की तेंदुआ की मौजूदगी के कोई भी चिन्ह नही पाएंगे। यह वन्य जीव जहां भी रहता है उसकी बदबू काफी दूर तक जाती है। फिलहाल गांव के लोगो को सतर्क रहने के साथ ही वन कर्मियों को भी नजर बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया है।

लोकसभा सत्र में मांग करते सांसद विनोद सोनकर।

दिव्यांगों, महिलाओं एवं क्रॉस जेंडर को भी मिले आयुष्मान कार्ड मिलेः सांसद

अखंड भारत संदेश

कुण्डा प्रतापगढ़। गुरुवार को लोकसभा सत्र के शून्य काल में कौशाम्बी सांसद, संसदीय आचार समिति लोकसभा के सभापति विनोद सोनकर ने सदन में बजट में आशा बहनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पांच लाख रुपये के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने की घोषणा पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी साथ ही दिव्यांग, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, एवं क्रॉस जेंडर को भी पांच लाख रुपये का निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने की मांग की। उक्त जानकारी संसद के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय ने दी है।

सीबीएसई की दसवीं व बारहवीं परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू

सिटी कोआर्डिनेटर वीके सोनी ने दी परीक्षा की विस्तृत जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी और 13 मार्च 2024 तक चलेंगी, जबकि 12वीं क्लास की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से 2 अप्रैल 2024 तक चलेंगी। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं, 12वीं दोनों की ही परीक्षाएं सिंगल शिफ्ट में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेंगी। इस बार प्रतापगढ़ में 37 सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालयों के करीब साढ़े छह हजार स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। पिछली परीक्षा की तुलना में करीब छह सौ परीक्षार्थियों की बढ़ोतरी हुई है।

यह जानकारी देते हुए न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल के प्रधानाचार्य एवं सिटी कोआर्डिनेटर सीबीएसई विपिन कुमार सोनी ने बताया कि प्रायोगिक परीक्षाएं 14 फरवरी तक पूरी हो जाएंगी। इसके बाद सैद्धांतिक परीक्षाओं का दौर शुरू होगा। सीबीएसई द्वारा प्रतापगढ़ में सात परीक्षा केंद्र न्यू एंजिल्स सी. से. स्कूल, संगम इंटरनेशनल स्कूल, संस्कार ग्लोबल स्कूल, डॉल्फिन पब्लिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, पंडित नागेश दत्त पब्लिक स्कूल लालगंज तथा आइंस्टीन पब्लिक स्कूल लालगंज बनाए गए हैं जहां बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन किए जाएंगे। सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं का एडमिट कार्ड 2024 जारी कर दिया है जिसमें छात्र के नाम, रोल नंबर, परीक्षा केंद्र, रिपोर्टिंग टाइम व जरूरी इंस्ट्रक्शन की डिटेल दी गई है। स्टूडेंट अपने एडमिट कार्ड अपने स्कूल से प्राप्त कर सकेंगे। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड एग्जाम में शामिल होने वाले प्राइवेट छात्रों के लिए भी एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं।बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले प्राइवेट स्टूडेंट्स सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट बेइम.हवअ.पद पर जाकर अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड ने अपने निदेर्शों में कहा है कि परीक्षा 10.30 से प्रारंभ होगी लेकिन परिक्स केंद्रों पर अंतिम प्रवेश 10 बजे के बाद नहीं होगा। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल तथा अन्य संचार उपकरणों को ले जाने की सख्त मनाही होंगी। परिक्षार्थी एडमिट कार्ड और स्कूल आइडेंटिटी कार्ड के साथ केवल ब्लू/ब्लैक पेन, पेंसिल, इरेजर, स्केल, शार्पनर, ज्योमेट्री बॉक्स, कलर, ब्रश हीं एक पारदर्शी पाउच में ले जा सकेंगे। विद्यालयों के नियमित छात्र अपने विद्यालय के ड्रेस कोड में तथा प्राइवेट छात्र हल्के कलर के कपड़े पहन सकते है। बोर्ड ने छात्रों को यह आगाह किया है कि सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए फर्जी वीडियो और संदेशों पर विश्वास न करें। अफवाहें भी न फैलाएं। अफवाहें फैलाने और बढ़ावा देने के लिए अनुचित साधनों के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। दिव्यांग व विशेष आवश्यकता वाले स्टूडेंट्स के लिए सीबीएसई के मुख्यालय के आदेशों के अनुसार ही विशेष सुविधाएं दी जाएंगी।

फरार इनामिया बदमाश के घर पुलिस ने दी दबिश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। फरार चल रहे इनामिया बदमाश की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने दबिश दी। लेकिन बदमाश पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। लीलापुर थानान्तर्गत घरौरा निवासी मकसूद उर्फ जैद पचास हजार का घोषित इनामिया बदमाश है। मुखबिर की सूचना पर गुरूवार सुबह पुलिस फोर्स के साथ बदमाश के घर पर दबिश दी गयी। बदमाश के लोकेशन को लेकर पुलिस ने ड्रोन कैमरे का भी इस्तेमाल किया। लेकिन दबिश के दौरान आरोपी बदमाश पुलिस के हत्थे नही लग सका। इधर पुलिस की दबिश को लेकर ग्रामीणों में तरह तरह की चचाएं भी हो रही है। एसओ नीरज यादव का कहना है कि अपराधियों पर लगाम कसने के लिए फरार बदमाश की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में पचास हजार के इनामिया बदमाश मकसूद के घर दबिश दी गयी। शुभकामनाएं दी है।

उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत 02 दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादन करने वाले प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

कौशाम्बी। जिलाधिकारी राजेश कुमार राय ने गुरुवार को डायट मैदान में आयोजित उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत 02 दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ तथा कृषि विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगायी गई विभागीय योजनाओ के स्टॉलों का अवलोकन करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। जिलाधिकारी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादन करने वाले प्रगतिशील किसानों-मंजीत कुमार कुशवाहा, अंगद सिंह कुशवाहा, रमाकान्त यादव, भीम सिंह, बनवारी एवं वीरेन्द्र कुमार चौरसिया को अंगवस्त्र भेंट कर मोमेण्टो व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के आधुनिक जीवन शैली में हम लोग मोटे अनाजों से दूर हों गये हैं, जबकि मोटे अनाज का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही उपयोगी एवं लाभप्रद है। मोटे अनाजों में भरपूर पोषण तत्व-आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम आदि पाये जाते हैं। प्रधानमंत्री ने मोटे अनाजों को श्रीअन्न का नाम देकर अधिक से अधिक उत्पादन एवं उपभोग की पहल की है। यूएनओ द्वारा वर्ष-2023 को अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मोटे अनाजों के अधिकाधिक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य भी घोषित किया है। बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू0-2500 प्रति कुन्तल, ज्वार का रू0-3180, मक्का का रू0-

2090 एवं कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू0-3875 घोषित किया है। उन्होंने किसानों से मोटे अनाजों का अधिकाधिक उत्पादन करने का आवाह्न करते हुए कहा कि मोटे अनाज के उत्पादन में लागत कम आती है, जिससे आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने किसानों से कहा कि कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दी जा रहीं जानकारियों व सुझाओं को अपनाकर अधिक से अधिक मोटे अनाजों का उत्पादन करें। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लिया था और सरकार उसी दिशा में निरन्तर आगे बढ़ रहीं है। हम सब पुराने अन्नों (मोटे अनाज) के उत्पादन को भूलते चलें गये, अधिकाधिक रासायनिक खादों का उपयोग करने लगें, रासायनिक खादों से उत्पादित अन्न का सेवन करने से अनेक बीमारियाँ होती हैं, जबकि मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभदायक हैं। इन अनाजों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती हैं। उन्होंने सभी से मोटे अनाजों को अपने भोजन में शामिल करने का अवाह्न किया। उन्होंने किसानों से कहा कि अधिकाधिक मोटे अनाजां का उत्पादन करें, इसके उत्पादन में लागत भी कम आती है। उन्होंने प्राकृतिक खेती करने तथा रासायनिक खादों का कम से कम उपयोग करने का भी आवाह्न किया। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ0 मनोज कुमार, डॉ0 नवीन कुमार एवं डॉ0 मीनाक्षी ने किसानों को मोटे अनाज की उपयोगिता, उत्पादन एवं फसलों को बीमारियों से बचाव आदि महत्वपूर्ण जानकारियॉ व सुझाव दियें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी, जिला कृषि अधिकारी मनोज गौतम एवं जिला उद्यान अधिकारी अवधेश कुमार मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुटखा लाद कर भरवारी से कौड़िहार जा रहा चालक पुलिस कब्जे में

भरवारी कौशाम्बी ई रिक्शा में भरवारी से गुटखा लाद कर कौड़िहार जा रहे ई रिक्शा चालक को पुलिस ने जांच के दौरान अपने हिरासत में ले लिया है लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद गुटका मलिक को पुलिस ने अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है विवेक कुमार पुत्र गंगा दीन निवासी टिकरी बुधवार को समय लगभग तीन बजे ई रिक्सा मे भरवारी के किसी व्यापारी का गुटखा लाद कर भरवारी से कौड़िहार प्रयागराज जा रहा था तभी ई रिकसा टोल प्लाजा कोखराज पहुंचा तभी वहा पर मौजूद पुलिस के जवानों को शक होने पर पकड़कर पूछताछ करना शुरू किया ही था तभी संतोष जनक उत्तर न देने पर पुलिस उसे थाने ले गयी। अब सवाल यह उठता हैं की ई रिक्शा चालक को पकड़ कर पुलिस ने बैठा रखा हैं और मॉल मालिक ने अभी तक उस गरीब ई रिक्शा चालक की जानकारी नहीं ली ई रिक्शा चालक का क्या कसूर है उसको अभी तक किसी ने छुड़ाया नही जबकि उसके घर वालो का रो रोकर बुरा हाल हैं उस गरीब ई रिक्शा चालक का कहना हैं की भाड़ा ढोना मेरा काम है मेहनत मजदूरी करके जीवन यापन करके परिवार का पालन पोषण करता हू उस पर अभी तक न ही गुटका मालिक ही थाने पहुंचा और न ही पुलिस ने उसे छोड़ा गोपनीय सूत्र द्वारा ज्ञात हुआ है कि ई रिक्शा में मॉल लाखो रुपए का हो सकता है।

न्यूज झरोखा

भाजपा पूर्व विधायक के भाई के घर पर तेज विस्फोट से लगी आग

विस्फोट से मकान खंडहर में हुआ तब्दील फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी

अझुवा कौशाम्बी जिले में भाजपा के पूर्व विधायक के भाई के घर में अचानक तेज विस्फोट होने से हड़कंप मच गया,पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल के भैया मुन्ना पटेल के घर मे गुरुवार को विस्फोट हुआ है तेज विस्फोट के चलते मकान खंडहर में तब्दील हो गया है विस्फोट के बाद लगी आग से सारा सामान जलकर राख हो गया,मकान का लिंटर दिवार भी क्षतिग्रस्त हो गयी विस्फोट की तेज आवाज सुनकर घटनास्थल के आसपास अफरा तफरी मच गई मौके पर लोगों का मजमा लग गया घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस विस्फोट की वजह की जांच कर रही है भाजपा के पूर्व विधायक के भाई के घर पर गुरुवार को कैसे विस्फोट हुआ है इस बारे में कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है। सैनी कोतवाली इलाके के सिराथू कस्बे के भाजपा के पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल के भाई मुन्ना पटेल के घर पर गुरुवार को अचानक तेज आवाज के साथ विस्फोट हो गया विस्फोट इतना तेज था कि मकान की छत खुल गई दिवाल ध्वस्त हो गयी विस्फोट के बाद लगी आग से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।आग लगने की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और लोगो की सहायता से आग पर काबू पाया गया,विस्फोट किससे हुआ और आग कैसे लगी इसकी जांच पुलिस और प्रशासन की टीम कर रही है।

जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दशार्ती है भागवत कथा

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र की ग्राम सभा लक्ष्मीपुर मे श्रीमद् भागवत कथा को लेकर बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें कई महिलाओं व पुरुषों ने गेरुआ रंग का वस्त्र धारण कर बाजे गाजे के साथ कई देवस्थान पहुंचकर पूजा की। इसके बाद कथा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा कथा स्थल से निकलकर मसूरिया माता के मंदिर पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु पीताम्बर वस्त्र धारण कर व सिर पर कलश लेकर शामिल हुए। कथा स्थल पर हवन पूजन किया गया। कथा का शुभारंभ करते हुए कथा व्यास -परम पूज्य श्री धनञय दास जी महाराज (मालूकपीठ वृन्दावन)ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा, ऐसी कथा है, जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दशार्ती है। इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है, इसे सुनने मात्र से वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से मुक्त होकर सकारात्मक उर्जा से सशक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें। श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक व आध्यात्मिक विकास होता है। पहले दिन भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है, जिस प्रकार परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर अभय को प्राप्त किया, वैसे ही भागवत जीव को अभय बना देती है। कथा मे मुख्य रूप से परम पूज्य पुरसोत्तम दास जी महाराज अयोध्या धाम, आचार्य श्री सत्यनरायण जी उड़ीसा, आचार्य सुनील जी संस्कृत विद्यालय मंझनपुर, राजु ओझा एडवोकेट, आदि मौजूद रहे।

मौनी अमावस्या के पर्व को लेकर वाहनों की सघन चेकिंग

कोखराज कौशाम्बी कोखराज थाना के अंतर्गत गुरुवार को वाहनों की सघन चेकिंग की गई मौनी अमावस्या के पर्व पर स्नान की भीड़ के दृष्टिगति राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रयागराज शहर की ओर गुजरने वाले सभी वाहनों की सघन चेकिंग की गयी सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा एआरटीओ तारकेश्वर मल एसओ कोखराज इन्द्र देव के कोखराज थाना क्षेत्र के सकाढा तिराहा के पास वाहनों की सघन चेकिंग की पुलिस टीम द्वारा सभी वाहनों की गहनता से जॉच करने के बाद प्रयागराज जाने के लिए अनुमति दी जाती रही।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम आज चौथा दिन संपन्न

कौशाम्बी जन शिक्षण संस्थान कौशांबी द्वारा 08 फरवरी को पी एम विश्वकर्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम चौथा दिन भी संपन्न किया गया उक्त कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक राजकुमार पांडे ने सभी प्रतिभागियों का एक दूसरे से परिचय कराया तथा पी एम विश्वकर्मा योजना के बारे में विस्तृत चर्चा किया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के जिला प्रबंधक दीपक मौर्य ने आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षार्थियों को पी एम विश्वकर्मा से संबंधित सभी योजनाओं का विस्तार पूर्वक चर्चा किये तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला लीड बैंक अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बैंकों के बारे में तथा लोन के बारे में एफ डी के बारे में तथा पी एम विश्वकर्मा में कितना लोन मिलेगा और कितना ब्याज लगेगा सभी बैंक से संबंधित जानकारी दी इस कार्यक्रम में सहायक लीड बैंक अधिकारी सुमित कुमार ने बैंकों से संबंधित विस्तृत चर्चा किया उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संजय सिंह प्रशिक्षिका श्रीमती रेखा देवी रूपा कुमारी आदि 37 प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

जिलाबदर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अभियुक्त मनजीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह निवासी म्योहर थाना करारी को जिलाबदर का आदेश किया गया था। मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि अभि० मनजीत सिंह अपने ग्राम आया है। जिलाधिकारी के आदेश के उल्लंघन करने पर थाना करारी पुलिस उ0नि0 सियाकान्त चौरसिया मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त को जय गुरुदेव आश्रम के पास से गिरफ्तार किया है गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 24/24 धारा 10 उ0प्र0 गुण्डा गर्दी नियंत्रण अधि० पंजीकृत किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है।

चोरी का अभियुक्त अर्थदण्ड से दण्डित

कौशांबी। थाना कौशाम्बी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 48/1999 धारा 41/411 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त भोला पासी पुत्र मनोहर पासी नि० कायमपुर थाना व जनपद कौशाम्बी को न्यायालय एसीजेएम जनपद कौशाम्बी द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस द्वाराबप्रभावी पैरवी करते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से अभियुक्त को जेल में बितायी गयी अवधि व 3000/- रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

शिकायतों के निस्तारण पर कौशाम्बी पुलिस ने प्रदेश मे प्रथम स्थान प्राप्त किया

कौशांबी। शासन की प्राथमिकता के अनुरुप प्रतिदिन पुलिस कार्यालय, अपर पुलिस अधीक्षक कार्यलय, समस्त क्षेत्राधिकारी कार्यालय एवं समस्त थानों पर जनसुनवाई की गई तथा प्राप्त शिकायतों का शासन की चेकलिस्ट गाईडलाईन का अनुपालन कराकर गुणवत्तापरण निस्तारण किये जाने का प्रयास किया गया जिसके परिणाम स्वरुप माह अगस्त की रैंकिग में 115 अंक में से 115 अंक प्राप्त कर प्रदेश में जनपद कौशाम्बी का प्रथम स्थान प्राप्त किया है एंव जनपद के 11 थानों में भी प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

निष्पक्ष होकर कार्य करें पत्रकार : एसडीएम

सिराथू कौशाम्बी। प्रेस क्लब सिराथू ईकाई का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम गुरुवार को मीरापुर में स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब कौशांबी के संरक्षक रमेश चंद्र अकेला ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव व विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा एवं प्रेस क्लब कौशांबी के अध्यक्ष बृजेश गौतम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिसके बाद प्रेस क्लब संरक्षक रमेश चंद्र अकेला ने प्रेस क्लब सिराथू के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रवि कुमार वैश्य , महामंत्री मान सिंह , कोषाध्यक्ष रवि अग्रहरी , वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित तिवारी , उपाध्यक्ष मो एजाज रानू , धर्मेंद्र सोनकर , मंत्री रामबाबू , संगठन राजकुमार , नेहाल याकूब , अश्वनी गुप्ता , आय व्यय निरीक्षक अशोक कुमार , संयुक्त मंत्री हिमांशु मिश्रा , प्रकाशन मंत्री ज्ञानू सोनी को शपथ ग्रहण कराते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए गए । इस दौरान प्रेस क्लब

सिराथू के पदाधिकारियों ने मौजूद अतिथियों का अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेट कर उनका स्वागत किया । इस अवसर पर एसडी एम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा की पत्रकार देश का चौथा स्तंभ है। पत्रकार वह हिस्सा है जो हमेशा दूसरों के विकास के लिए कार्य करता है। साथ ही उन्होंने दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करते हुए समाज को जागरूक करने को कहा । क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा की पत्रकार समाज का आईना होते है, जो समाज में व्याप्त समस्या, उपलब्धिया, नई सोच, उभरते प्रतिभा को समाज एवं शासन प्रशासन प्रतिनिधियों को समय-समय पर अवगत कराते रहते है। जिससे निराकरण, नई ऊर्जा से समाज अनुशरण, उभरते प्रतिभा को सहयोग मिलता है जिससे कमियों को जानकर उस पर काम करने में सहयोग मिलता है। प्रेस क्लब अध्यक्ष बृजेश गौतम ने कहा की मैं आशा करता हूँ प्रेस क्लब सिराथू अपने दायित्वों पर खरा उतरेगा साथ ही संगठन को एकजुट कर नया आयाम लिखा जाएगा । कार्यक्रम का संचालन नील कमल मिश्रा , अश्वनी गुप्ता ने किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार रमेश चंद्र अकेला, बृजेश गौतम, प्रदीप सिंह उर्फ डब्बू, राकेश सोनकर, अशर्द मामू , सतीश गोयल, अनिरुद्ध पांडेय, अली अहमद, उमेश मिश्रा, वीरेंद्र केसरवानी, आबिद हुसैन , मो बाकर, ओपी सिंह, आफताब आलम, अरुण गुप्ता व खंड विकास अधिकारी कड़ा दिनेश चंद्र , प्रभारी एडीओ आईएसबी सत्य प्रकाश पांडेय , चेयरमैन , राजेंद्र कुमार उर्फ भोला यादव , अरुण केसरवानी , ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश मौर्य, जिला पंचायत सदस्य मुंसब अली उस्मानी , अधिवक्ता संघ अध्यक्ष शिव सेवक अग्रहरी , पूर्व अध्यक्ष ठाकुर बसंत सिंह , बालेंद्र धर दिवेदी , मो सैफ , राम किरन त्रिपाठी एवं राम किशन , अंकित मिश्रा , रवि केसरवानी , शारदा प्रसाद उर्फ भुख्खड पंडा, उदय पांडेय सहित क्षेत्र के पत्रकार के साथ क्षेत्र के विभिन्न , समाजसेवी उपस्थित रहे।

कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भरवारी में 12वीं के छात्र- छात्राओं के विदाई समारोह का हुआ आयोजन....

डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही किसी भी परिवार समाज प्रदेश राष्ट्र की समृद्धि संभव है

कौशाम्बी। भरवारी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज में उत्साह से परिपूर्ण वातावरण में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह एक अनोखा और यादगार समारोह था जिसमें सीनियर्स को उनके जूनियर्स ने फेयरवेल दिया 11वीं के छात्र एवं छात्राएं अद्वितीय उत्साह और उम्मीद के साथ अपने सीनियर्स के लिए यह अवसर खास बनाने के लिए प्रयत्नशील रहे। समारोह में स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड ऋषभ पवार को दिया गया मिस्टर केपीएस का अवार्ड आयुष्मान और मिस केपीएस का अवार्ड कीर्ति जैन को प्रदान किया

गया। इसके अलावा, समारोह में मिस्टर और मिस साइंस का अवार्ड शिवांशु जैसवारा और श्रेष्ठी केसरवानी को सम्मानित किया गया। मिस्टर और मिस कॉमर्स का अवार्ड निशि रंजन और अंशिका केसरवानी को दिया गया समारोह में मिस्टर और मिस ह्यूमैनिटीज का अवार्ड अजीत सिंह और प्रियांशी गौतम को दिया गया। यह समारोह छात्रों के बीच अद्वितीय बंधन को मजबूत करता है और उन्हें उनके भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करता है कार्यक्रम के दौरान संस्थान के अध्यक्ष पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी देश का भविष्य हैं भविष्य की डोर आपके हाथ में है कठिन परिश्रम और लगन से आप लोग अपने कार्य को करते जाइए आप सफलता की ऊंची चोटी पर पहुंच जाएंगे सफलता केवल कठिन परिश्रम से ही प्राप्त होती है और कठिन परिश्रम कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है देश का भविष्य तभी उज्जवल हो सकता है जब देश के नौनिहाल कठिन परिश्रम और लगन के साथ अपने कर्तव्य पथ की ओर बढ़ते रहें आप सभी को मेरा केवल एक संदेश है की बच्चों कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी होती है संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही किसी भी परिवार समाज प्रदेश राष्ट्र की समृद्धि संभव है इसलिए बच्चों आप सभी कठिन परिश्रम करें सफलता प्राप्त करें और अपने विद्यालय का अपने परिवार का, समाज का नाम रोशन करें और विकसित राष्ट्र की संकल्पना को साकार करे इस समारोह में सौरभ सिंह मधुबन पटेल विकास पांडे शशांक श्रीवास्तव अशरफ अली दीपक खरवार नारायण तिवारी विकास मनी वीर प्रताप आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे.।

तहसील में पीड़ित ने किया शरीर पर डीजल डाल कर आग लगाने का प्रयास

कौशाम्बी। जिले में न्याय नही मिलने से परेशान अधेड़ ने सिराथू तहसील में आत्मदाह करने की कोशिश की है,पीड़ित अधेड़ ने एसडीएम सिराथू के सामने शरीर पर डीजल डाल लिया और आग लगाने जा रहा था,लोगो ने देखा तो हड़कंप मच गया,लोगो ने तत्काल एसडीएम को इसकी जानकारी दी तो एसडीएम ने पीड़ित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। मामल सिराथू तहसील कार्यालय का है जहा के निंदुरा गांव के रहने वाले करन और रघु की जमीन पर विपक्षीगण जबरन जमीन पर कब्जा कर रहे है,जबकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है,इसके बावजूद पुलिस और प्रशासन कोई सुनवाई नही कर रहा है जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। घटना के संबंध में एडीएम सिराथू महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि रघु और करन शिकायत लेकर आए थे तभी अचानक एक बोतल में डीजल लेकर अपने ऊपर डाल लिया,लेकिन उसे पकड़ लिया गया है,कोई अप्रिय घटना नही होने दी गई है।वही इस मामले में सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा ने बताया कि घटना संज्ञान में आया है,तत्काल पुलिस भेजी गई है,जांच की जा रही है कि उसने ऐसा प्रयास क्यों किया,जांच के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी।

सवर्ण आर्मी के जिलाध्यक्ष बने सुनील कुमार तिवारी का सम्मान

सैय्यद सरावा कौशाम्बी स्वर्ण समाज की लड़ाई लड़ने के लिए सवर्ण आर्मी ने सुनील कुमार तिवारी को जिला अध्यक्ष बनाया है जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया सर्वेश पांडे द्वारा जिला अध्यक्ष सुनील तिवारी, जिला उपाध्यक्ष मुकुल शुक्ला ,जिला उपाध्यक्ष विनय पांडे, जिला मीडिया प्रभारी सदा व्रत पांडे आदि आदि कई व्यक्तियों को सवर्ण आर्मी में पद दिया और स्वर्ण की लड़ाई के लिए हमेशा तत्पर रहने की कामना करते हुए जिला तहसील ब्लॉक तथा गांव-गांव में सभी समान वर्ग के लोगों को अपनी बात सरकार तथा सरकारी कर्मचारियों को समझने के लिए एक टीम गठित करने का प्रयास किया। सर्वेश पांडेय राष्ट्रीय अध्यक्ष सवर्ण

स्वर्ण आर्मी पीड़ितों के अधिकार और उनके सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है

आर्मी गोपाल पांडेय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सवर्ण आर्मी ठाकुर शिवम् सिंह राष्ट्रीय महासचिव सवर्ण आर्मी मोनू तिवारी प्रदेश सचिव सवर्ण आर्मी सूरज चौबे प्रदेश महा सचिव धर्मेंद्र मिश्रा आईटी सेल शुभम पांडेय ज़िला संपर्क प्रमुख आदि लोगों ने नव नियुक्त पदाधिकारी को बधाई दी है इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जिला कौशांबी में सुनील कुमार तिवारी समाजसेवी और कार्य कुशल व्यक्ति है समाज में जितना सामान्य वर्ग पर एससी एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज करके उनका उत्पीड़न किया गया है भुक्त भोगी सामान्य वर्ग पर एससी एसटी के मुकदमे के नाम पर जमकर उत्पीड़न अत्याचार हुआ है उतना कोई पीड़ित नहीं हुआ स्वर्ण आर्मी पीड़ितों के अधिकार और उनके सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

रोजगार मेले में 152 अभ्यर्थियों को मिला रोजगार

कौशाम्बी उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, राजकीय आई0टी0आई0 एवं सेवायोजन के संयुक्त तत्वाधान में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत गुरुवार को इण्टर कॉलेज, कौशाम्बी के परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 320 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं 04 नियोक्ता कम्पनियों द्वारा कुल 152 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले का शुभारम्भ जिला उपाध्यक्ष भाजपा अरविन्द द्विवेदी द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने रोजगार मेले में उपस्थित प्रतिभागी अभ्यर्थियों को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ज्ञान सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजपा अजय पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष प्रमोद भार्गव, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन के0के0 राम, डीएसएम योगेन्द्र कुमार शुक्ला एवं डीपीएम शिव नरेश शुक्ला सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

समीक्षा अधिकारी सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा-2023 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न करायी जाय : एडीएम

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड ने उदयन सभागार में लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा-2023 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकां के साथ बैठक की। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकां को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। आयोग द्वारा प्रतिबन्धित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की

तैनाती की जायेंगी। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने के निर्देश दियें। जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव ने बताया कि लोक सेवा आयोग द्वारा समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा-2023 दिनांक 11 फरवरी 2024 को जनपद के 16 परीक्षा केन्द्रों यथा-भवन्स मेहता महाविद्यालय, भवन्स मेहता विद्याश्रम, कस्तूरबा गॉधी कन्या इंटर कॉलेज, महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज आलमचन्द्र, नेशनल इंटर कॉलेज, हुबलाल इंटर कॉलेज, महगांव इंटर कॉलेज, बाबू सिंह डिग्री कॉलेज सयारा, कौशाम्बी पब्लिक स्कूल बिदनपुर कसिया, एस0ए0बी0 इंटर कॉलेज, मानसिंह इंटर कॉलेज, जवाहर लाल इंटर कॉलेज, डॉ0 ए0एच0 रिजवी डिग्री कॉलेज करारी, डॉ0 रिजवी कॉलेज-ऑफ इंजीनियरिंग करारी, डॉ0 रिजवी डिग्री कॉलेज-आफ-लॉ एवं दुर्गा देवी इंटर कॉलेज में आयोजित की जा रहीं है। परीक्षा में कुल 6756 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों प्रथम पाली-प्रातः 09:30 से 11:30 एवं द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह 02:30 बजे से सायं 03:30 बजे तक आयोजित की जायेंगी। परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए 07 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 16 स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

संपादक की कलम से

पत्रकार बजट से वंचित क्यों

सरकार कोई भी हो। केंद्र की हो या राज्य की, सभी अपने-अपने बजट को कल्याणकारी और विकासोन्मुख बताते हैं। करोड़ों की योजनाएं, गतिमान विकास, शिक्षा की हिस्सेदारी, सड़कों का जाल, स्वास्थ्य सेवाएं, महिला शक्तिकरण, कौशल विकास, युवाओं को रोजगार, सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता, किसानों को कर्ज में छूट, गरीबों को मुफ्त अनाज, अधिवक्ताओं को कल्याण निधि, पुलिस को प्रोत्साहन और विकास की ऊंची उड़ान! लेकिन पत्रकारों को क्या मिला? कुछ नहीं! आखिर ऐसा क्यों? कब तक पत्रकार उपेक्षित रहेंगे? क्यों पत्रकारों के प्रति सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती? जिसके बल पर सरकार अपना सिक्का चलाती है, उसी का अनादर और अनदेखी क्यों की जाती है?

अजीब दास्तान है, सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने के लिए ये नेता जिस पत्रकार को सीढ़ी बनाते हैं, वही मंत्री की कुर्सी पर बैठते ही उसे हेय दृष्टि से देखने लगते हैं। चुनाव आते ही बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही मुंह मोड़ लेते हैं। हमारे देश में तमाम ऐसे उदाहरण है जब सरकारी उपेक्षा के चलते समाचार पत्र-पत्रिकाएं या न्यूज चैनल बंद हो चुके हैं और उससे जुड़े हजारों पत्रकार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए। इसके बावजूद केंद्र की सरकार हो या राज्य की, बजट में पत्रकारों के लिए कुछ नहीं करती। जो सरकार अपनी योजनाओं को समाज के जन-जन तक पहुंचाने के लिए पत्रकारों को एक मजबूत आधार मानती है और कई बार उसका इस्तेमाल भी करती है, वही उसे बजट से वंचित रखती है। एक पत्रकार और उसके परिवार के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा तक का बजट में कोई प्रावधान नहीं होता। सरकार यह तो जानती है कि अखबार हो या न्यूज पोर्टल अथवा न्यूज चैनल, बिना इनके सहयोग के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। लोकतंत्र तभी कायम रहेगा जब हमारा चौथा स्तंभ मजबूत होगा। जो बजट वह पेश कर रही है, उसका प्रचार-प्रसार भी यही करेंगे, तब भी सरकार यह भूल जाती है कि अखबार और न्यूज चैनलों में पत्रकार ही काम करते हैं। वही पत्रकार जो सर्दी, गर्मी और बरसात में कई बार बिना तनख्वाह के दिन-रात चलते रहते हैं। समाज का कोई वर्ग विकास से वंचित न रह जाए, उससे जुड़ी एक-एक खबर के लिए गांव, गली-मुहल्ले और नगर-शहर की खाक छानते हैं। अपराध को उजागर करने के लिए जान जोखिम में डालते हैं। तकनीकि और कानूनी तौर पर खबर को पुख्ता करने के लिए अधिकारियों के चक्कर काटते हैं, जिसके लिए उन पत्रकारों (कुछ को छोड़कर) को कोई आर्थिक सहयोग नहीं मिलता; उन्हीं पत्रकारों को अलग-अलग वर्ग (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक या फिर मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त) में विभाजित कर सरकार उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करती है।

यह अन्याय और अनीति है। पत्रकारों के लिए बजट में कोई प्रावधान न होने से अधिकतर पत्रकारों के बच्चे जहां उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, वहीं आर्थिक तंगी के चलते बेहतर इलाज भी नहीं मिल पाता। सरकार की यह दोहरी नीति महज पत्रकारों के साथ ही नहीं, बल्कि उसके परिवार के साथ भी सरकारी भेद-भाव माना जाएगा। चंद पत्रकारों के साथ एक कमरे में बैठकर कोई नीति निर्धारण कल्याणकारी नहीं हो सकता। माना कि सरकार चलेगी, कुछ दिन तुम्हारी सत्ता भी कायम रहेगी, लेकिन इतिहास में यह भी दर्ज होगा कि तुमने सभी पत्रकारों के लिए कुछ नहीं किया। क्योंकि कोई पत्रकार छोटा-बड़ा नहीं होता, पत्रकार ह्यपत्रकारह्ण होता है। समाज और सरकार दोनों उसकी नजर में बराबर होते हैं, तो फिर सरकार पत्रकारों के साथ भेदभाव क्यों करती है? पत्रकारों को समाज से अलग क्यों देखती है? क्यों उसके लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया जाता?

पुस्तकों का मेला क्यों है अलबेला

इंसान की जिंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो पुस्तकें हथियार का काम करती हैं। पुस्तकों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। आज डिजिटलीकरण के समय में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्न उठ रहा हो लेकिन समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित होंगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। पुस्तकों पर छाये धुंधलकों को दूर करने के लिये एवं पुस्तक की प्रासंगिकता को नये पंख देने की दृष्टि से लेखक, पुस्तक प्रेमी और प्रकाशकों का ह्यमहाकुंभह्ण यानी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2024 का आयोजन 10 से 18 फरवरी के बीच दिल्ली के प्रगति मैदान में हो रहा है। इस बार पुस्तक मेले की थीम ह्यबहुभाषी भारत एक जीवंत परंपराह्ण रखी गई है। हर साल की तरह इस साल भी मेले का स्वरूप काफी बड़ा होगा, जहां हिंदी, इंग्लिश के अलावा क्षेत्रियों भाषाओं की किताबें देखने को मिलेंगी वहीं देश-विदेश के 1500 से अधिक प्रकाशक पुस्तक मेले में भाग लेंगे। इस बार अतिथि देश के रूप में सऊदी अरब का चयन किया गया है। 51 साल से चल रहे पुस्तक मेले का आयोजक नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) है।

विश्व पुस्तक मेला अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को लेकर प्रश्नों के घेरे में हैं। पुस्तक मेले पर धार्मिकता एवं साम्प्रदायिकता का संकीर्ण घेरा बनना चिन्ता का विषय है। साहित्यकारों से अधिक धर्मगुरुओं, पोंगा-पंडितों, ज्योतिषियों-तांत्रिकों का वर्चस्व बढ़ना मेले के वास्तविक उद्देश्य से भटकाता है। मेले के दौरान प्रकाशकों, धार्मिक संतों, विभिन्न एजेंसियों द्वारा वितरित की जाने वाली निशुल्क सामग्री भी एक आफत है। यह बात दीगर है कि इस दौरान प्रगति मैदान के खाने-पीने के स्टॉल पर पुस्तक की दुकानों से अधिक बिक्री होती है। पार्किंग, मैदान के भीतर खाने-पीने की चीजों के बेतहाशा दाम, जिनसे यदि निजात पा लें, तो सही मायने में विश्व पुस्तक मेला, विश्व स्तर का होगा। मेले की संरचना में खामियों का ही परिणाम है कि मेले में पाठकों की संख्या घटी है और उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी है। लोग यहां किताबें खरीदने के बजाय उत्पाद खरीदने आ रहे हैं। इसीलिए कोई अपने बच्चे की अंग्रेजी सुधारने के लिए किताब खरीद रहा है तो कोई पेट की चर्बी कम करने के लिए किताब या पाउडर खरीद रहा है। इन सभी कारणों से उपभोक्तावाद को बढ़ावा देने वाले साहित्य की लोकप्रियता बढ़ी है जबकि फिक्शन, नॉन-फिक्शन और जीवन मूल्यों से जुड़ी किताबों की मांग कम हुई है।

पिछले कुछ वर्षों से मेले का रंग बहुत बदल गया है। अब यहां कोई सार्थक बहस नहीं होती, जैसी पहले हुआ करती थी। आज समस्या पठनीयता की नहीं, बल्कि उपलब्धता की है। पुस्तक मेले में ऐसी सार्थक चचाएँ हो और सकारात्मक वातावरण बनाया जाये ताकि पुस्तकों की अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच हो जाए। इसके लिए जरूरी है कि ऐसी जनजागरूकता पैदा कि जाये ताकि अच्छी किताबों की घरेलू या सार्वजनिक लाइब्रेरी तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह एक चुनावी मुद्दा भी बनना चाहिए और चुनाव के दौरान मतदाताओं को अपने प्रतिनिधि से गुडलाइब्रेरी खोलने की मांग करनी चाहिए। अस्पतालों, होटलों, रेल्वे स्टेशनों में पुस्तकालय स्थापित किये जा सकते हैं ताकि वहां आने वाले लोगों का खाली समय का उपयोग मानसिक एवं बौद्धिक विकास में हो सके।

वैश्वीकरण के दौर की हर चीज बाजार बन गयी है, लेकिन पुस्तकें- खासकर हिंदी की अभी इस श्रेणी से दूर हैं। पिछले कुछ वर्षों से पुस्तक मेला पर बाजार का असर दिख रहा है। पुस्तकों के स्वत्वाधिकार के आदान-प्रदान के लिए दो दिन ह्यराइट्स टेबलह्ण का विशेष आयोजन होता है। असल में पुस्तक भी इंसानी प्यार की तरह होती हैं जिससे जब तक बात न करो, रूबरू न हो, हाथ से स्पर्श न करो, अपनत्व का अहसास देती नहीं है। फिर तुलनात्मकता के लिए एक ही स्थान पर एक साथ इतने सजीव उत्पाद मिलना एक बेहतर विपणन विकल्प व मनोवृत्ति भी है। हालांकि यह पुस्तक मेला एक उत्सव की तरह होता है, जहां पुस्तक का व्यापार मात्र नहीं, कई तरह के समागम होते हैं। विश्व पुस्तक मेला में आये पुस्तक प्रेमियों की संख्या से पता चलता है कि किताबों के प्रति लोगों की रुचि बरकरार है। विदेशी मंडप में भले ही अधिकांश पुस्तकें केवल प्रदर्शन के लिए होती हैं, लेकिन गंभीर किस्म के लेखक इनसे आइडिया का सुराख लगाते दिखते हैं। थीम पवेलियन हर समय आम लोगों के आकर्षण का केंद्र रहता है। बच्चों की नैसर्गिक रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए बाल मंडप एक महत्वपूर्ण आकर्षण होता है। जाहिर है, पुस्तक मेला में दिल व दिमाग, दोनों पुस्तक के साथ धड़कते-मचलते हैं, तभी तो यह मेला नहीं है, पुस्तकों का वसंतोत्सव है। पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम पुस्तकें ही करवाती हैं। शायद ये पुस्तकें ही हैं जिन्हें पढ़कर स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, आचार्य तुलसी एवं नरेन्द्र मोदी दुनिया की एक महाशक्ति बने हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही है, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाया या बनाना चाहते हैं, इसीलिये विश्व पुस्तक मेले जैसे आयोजन-अनुष्ठान देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान बनना चाहिए।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें हैं। भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है क्योंकि पुस्तकें बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हमारे सच्चे दोस्त का हर फर्ज अदा करती आई हैं। पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ व बुद्धिमान हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन करने एवं परामर्श देने में विशेष भूमिका निभाती हैं। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक, व्यावसायिक एवं राजनीतिक विकास में सहायक होती हैं। वे हमारी रूचि जगाती है, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति देती है हममें शक्ति एवं गति पैदा करती है, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत करती है, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध कराती है, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करती है। इसलिये पुस्तक मेले जैसे आयोजनों को प्रयोजनात्मक बनाने की अपेक्षा है। विश्व पुस्तक मेला परिवर्तन का इंजन हैं, विश्व की खिड़कियां हैं, समय के समुद्र में खड़ा प्रकाश स्तंभ हैं। इसका महत्व आज इसलिए भी अधिक है क्योंकि आज भी सबसे बड़ी लड़ाई विचारों की है।

(ललित गर्ग)
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन,
पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486,
9811051133

पटाखा फैक्टरियों में खाक होती जिंदगी

अरविंद जयतिलक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार)

मध्य प्रदेश राज्य के हरदा जिले में मगरथा रोड पर स्थित पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में ग्यारह लोगों की मौत और पांच दर्जन से अधिक लोगों का बुरी तरह झुलसना रेखांकित करता है कि मौत का सबब बन रहे पटाखा फैक्टरियों में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का इंतजाम न के बराबर है। बताया जा रहा है कि आतिशबाजी के लिए घरों में रखे बारुद के संपर्क में आने से आग ने विकराल रुप धारण कर लिया जिससे पटाखा फैक्टरी दहक उठी। विस्फोट कितना भीषण था इसी से समझा जा सकता है कि आग बुझाने के लिए 50 से अधिक दमकलकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बताया जा रहा है कि पटाखों के धमाके से आसपास के कई घरों को भी क्षति पहुंची है। अच्छी बात है कि राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का ऐलान के साथ घायलों को उचित इलाज की व्यवस्था कर दी है। राज्य सरकार ने जांच के आदेश भी दे दिए हैं। इस बात की जांच आवश्यक कि फैक्टरी को पटाखा बनाने का लाइसेंस प्राप्त था या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह फैक्टरी अवैध रुप से चलायी जा रही थी। ऐसा इसलिए कि जब भी इस तरह के हादसे होते हैं तब पता चलता है कि फैक्टरी अवैध थी। अगर फैक्टरी को लाइसेंस प्राप्त था तो सवाल यह है कि उसमें सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं था? वहां आग बुझाने वाले उपकरण उपलब्ध क्यों नहीं थे? इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि अगर यह फैक्टरी अवैध रुप से चल रही थी उसके संचालन में कहीं स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत तो नहीं थी? ऐसा इसलिए कि उसके सहयोग के बिना अवैध फैक्ट्री चलायी ही नहीं जा सकती।

फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा कि असलियत क्या है। लेकिन इस मामले में जो भी दोषी हो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब किसी पटाखा फैक्टरी में आग लगने से जिंदगी खाक हुई है। याद होगा अभी गत वर्ष पहले ही तमिलनाडु राज्य के विरुधुनगर के सत्तूर में पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की मौत हुई और कई दर्जन लोग बुरी तरह झुलस गए।

तमिलनाडु राज्य के ही शिवकाशी के मुदालीपट्टी में भी पटाखे की फैक्टरी में आग लगने से 54 लोगों की जान चली गयी थी। ऐसा ही हादसा 15 सितंबर, 2005 को बिहार राज्य में देखने को मिला जब एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 35 लोगों की जलकर मौत हुई। अभी गत वर्ष पहले पंजाब राज्य के गुरुदासपुर जिले के बटाला की एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान गयी। जांच के बाद पता चला कि यह फैक्ट्री पिछले 50 वर्षों से अवैध रुप से चल रही थी और जिस वक्त फैक्ट्री में धमाका हुआ उस समय उसमें 40 लोग काम कर रहे थे। इसी तरह उत्तर प्रदेश राज्य में स्कूटर पर ले जा रहे पटाखे के विस्फोट में दो युवकों की जान चली गयी।

याद होगा गत वर्ष पहले केरल के पारावुर स्थित पुत्तिंगल देवी मंदिर में आतिशबाजी से लगी आग में एक सैकड़ा से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 300 से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए थे। तथ्यों के मुताबिक मंदिर में पटाखा रखने की इजाजत न होने के बावजूद भी वहां पटाखा रखा गया जिससे विस्फोट हो गया। गत वर्ष पहले उज्जैन जिले के बड़नगर में पटाखे की फैक्टरी में भीषण आग में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की जान गयी। गत वर्ष पहले बाहरी दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर पांच में एक इमारत में अवैध रुप से चल रही पटाखे की फैक्टरी में भीषण आग में 17 लोगों की जान चली गयी। सरकार ने जांच कराने की बात कही थी। लेकिन उसका क्या हुआ किसी को पता नहीं। यह पर्याप्त नहीं कि राज्य सरकारें मृतकों और घायलों के परिजनों को मुआवजा थमाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ ले।

अकसर देखा जाता है कि जब भी इस तरह के हादसे होते हैं राज्य सरकारें मुआवजा थमाकर संवेदना जाहिर कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेती हैं। सच कहें तो यह एक किस्म से अपनी नाकामी छिपाने का तरीका मात्र है।

संसद में मोदी -मोदी के सुर : कांग्रेस खलनायक

@ राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का लंबा और चौड़ा उत्तर मैंने रेल में सफर करते हुए सुना। अफसोस तो ये कि तमाम उलब्धियों के बावजूद हम अपनी रेलों में इंटरनेट की अबाध सेवाएं नहीं दे पाए इसलिए माननीय का उद्बोधन निर्बाध सुनने में मुझे बड़ी तकलीफ हुई। मुझे दूसरा अफसोस ये हुआ कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के मुकाबले तीन गुना अधिक तेज गति से काम करने वाली भाजपा सरकार के सिर से अभी तक न तो कांग्रेस का भूत उतरा है और न सरकार ने नेहरू और उनके खानदान की कब्रें खोदना बंद किया है। इन दो वजहों से सरकार की एक दशक की तमाम कथित उपलब्धियों पर पानी फिरता हुआ दिखाई देता है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के युग की सबसे बड़ी उपलब्धि ये है कि संसद भवन अब मोदी भवन में तब्दील हो चुका है। इस संसद भवन में अतीत में किसी प्रधानमंत्री के समर्थन में सतत नारेबाजी कभी नहीं हुई। अब संसद मोदी-मोदी के नारों से गूंजता है। मोदी के नाम के नारे सुनकर संसद की दीवारें थरार्ने लगीं है। कल्पना कीजिये कि देश की क्या दशा होगी ? सदन में जब चुने हुए प्रतिनिधि मोदी-मोदी राग अलापते हैं तब मुझे बहुत आनंद की अनुभूति होती है क्योंकि ऐसा मैंने किसी प्रधानमंत्री के लिए होते नहीं देखा। नेहरू और इंदिरा गाँधी भी ये सब करने-कराने में कामयाब नहीं हुए। मुझे ये मानने और कहने में कोई संदेह नहीं कि माननीय मोदी जी ने अपने अभिभाषण में सच और सच के अलावा कुछ कहा ही नहीं होगा, क्योंकि माननीय मोदी जी झूठ बोलते ही नही। उनके ऊपर झूठ बोलने के आरोप व्यर्थ लगाए जाते है। माननीय मोदी जी सत्य की प्रतिमूर्ति हैं। आप उन्हें कलियुगीं सियासत का संत या सत्यवादी हरिश्चंद्र भी कह सकते हैं।

माननीय मोदी जी ने पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर जिस आत्मविश्वास के साथ देश की जनता का अपमान करने का आरोप लगाया उसे सुनकर मै अभिभूत हो गया। कोई दूसरा भी हो सकता है। सब जानते हैं कि नेहरू जी को आजादी की लड़ाई में कम से कम 13 साल जेलों में बिताने पड़े थे। बेचारे आज के प्रधानमंत्री जी की तरह 'एन्टायर पोलटिक्स' में परा स्नातक की पढ़ाई कर ही नहीं पाए होंगे। उनकी तमाम डिग्रियां, उपाधियाँ भी जुगाड़ की रहीं होंगी। मुमकिन है कि नेहरू जी ने जितनी भी किताबें लिखीं उनमें भी कुछ घल्लू-घारा हो ?क्योंकि नेहरू जी में इतनी कला थी ही नहीं। उन्हें तो देश की जनता ने फालतू में तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना था।

मोदी जी की इस बात में वजन है कि कांग्रेस सपने देखने के मामले में कमजोर है। कांग्रेस के स्थान पर यदि आजादी मिलने से पूर्व देश के पास भाजपा होती तो देश क आजादी 1947 के बजाय 1847 में मिल सकती थी। देश का दुर्भाग्य कि देश की गुलामी के समय भाजपा का जन्म नहीं हुआ था। उसके पुरखे थे, किन्तु वे शायद शाखा लगाने के अलावा ज्यादा कुछ कर नहीं पाए इसलिए जो किया, जैसा किया कांग्रेस ने ही किया। मोदी जी ने सच कहा कि कांग्रेस के जमाने में भारत दुनिया की ग्यारहवीं अर्थ व्यवस्था थी और आज महज एक दशक के भाजपा यानि मोदी जी के कार्यकाल में भारत दुनिया की पांचवीं अर्थ व्यवस्था बन गयी है और अगले पांच साल में मोदी जी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देंगे, क्योंकि उनके पास निर्मला सीतारमण जैसी दूरदृष्टा वित्तमंत्री हैं। मोदी जी के इस आत्मविश्वास के लिए मै उन्हें पेशगी में अपनी शुभकामनायें देता हूँ।

संसद में माननीय मोदी जी के अभिभाषण में मुझे आपत्तिजनक ये लगा कि वे आज भी हर बात के लिए ठीकरा कांग्रेस के सिर पर ही फोड़ते है। अरे बाबा कांग्रेस जब कुछ है ही नहीं तो क्यों बेचारी के पीछे पड़े हैं आप ? मोदी जी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए देश में विपक्ष को ही समाप्त कर दिया। पहले खुद समापत हुई और अब छोटे-मोटे क्षेत्रीय दलों को समाप्त करने पर आमादा है। काश ! कि मोदी जी इतना सफेद सच न बोलते। दुनिया का तो पता नहीं किन्तु इस महान देश के लोग जानते हैं कि देश में विपक्ष का कचूमर किसने निकाला है ? देश जानता है कि कांग्रेस के अलावा जितने भी क्षेत्रीय राजनीतिक दल हैं उन्हें दो फांक कांग्रेस ने नहीं बल्कि भाजपा ने किया है। किसी भी राजनीतिक दल को दोफाक करने की तकनीक कांग्रेस के पास है ही नही। कांग्रेस तो खुद समय-समय पर दोफांक होकर यहाँ तक पहुंची है। कांग्रेस पर मोदी जी के आरोप को सुनकर सबसे ज्यादा दुखी शिव सेना, एनसीपी और उसी जैसे दूसरे क्षेत्रीय दल हुए होंगे, क्योंकि विभाजन का दर्द इन्हीं दलों ने झेला है। झामुमो और तृमूकां जैसे दल तो किस्मत वाले हैं जो अभी तक विभाजित नहीं हुए और मोर्चेपर डटे हुए हैं।

माननीय मोदी जी सौ दिन बाद फिर तीसरी बार प्रधानमंत्री बने या राष्ट्रपति बनें मुहे कोई उज्र नहीं है। वे अवतार पुरुष हैं जो चाहे रूप ले सकते हैं। उन्हें वरदान प्राप्त है कि वे जो चाहे कर सकते हैं। उन्हें ऐसा करने के लिए किसी चुनाव-सुनाव की जरूरत नहीं है। ये तो लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था है कि वे चुनाव की प्रक्रिया का अनुपालन करते हैं अन्यथा वे बिना चुनाव के भी जो चाहे सो बन सकते है। उन्हें पता है कि पार्टी के बाहर और पार्टी के भीतर उनका कोई प्रतिद्वंदी नहीं है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष सात जन्म में भी मोदी जी को पराजित और सत्ताच्युत नहीं कर सकता। देश की जनता के जनदेश में भी माननीय मोदी जी को सिंहासन से उतरने की कूवत अब नहीं बची है। भले ही मोदी जी की सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी के दलदल से बाहर निकाल लिया हो किन्तु अभी भी 80 करोड़ भिखमंगे उनके पास हैं जो मात्र दो जून की रोटी के बदले अपना अनमोल वोट मोदी जी को ही देने के लिए विवश हैं। ये बेचारे गरीबी से तो दूर भुखमरी के चंगुल से भी एक दशक में बाहर नहीं निकल पाए।

बहरहाल संसद में मोदी जी का आखरी प्रवचन हो चुका है। अब वे 'वोटासन' [वोटासन भिक्षाटन का सहोदर है] के लिए 'देशाटन' पर निकलने वाले हैं। मेरी शुभकामनायें उनके साथ है। हालाँकि उन्हें मेरी या किसी और की यहां तक कि देश की जनता की शुभकामनाओं की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की इच्छा प्रकट की है तो वे बन ही जायेंगे क्योंकि उन्हें इच्छा वरदान प्राप्त है। बेहतर हो की जनता और विपक्ष भी लम्बी तानकर सो जाये। लोकतंत्र को जाने दे भाड़ में।

एक दिन तो मौन रखकर देखिये महोदय

नेताओं का शब्दकोश और उनकी वक्तव्य शक्ति का दुनिया में कोई जबाब नहीं है। नेता हर समय,हर विषय पर जितना आधिकारिक तौर पर बोल सकता है उतना कोई दूसरा नहीं बोल सकता। नेताओं को ये दिव्यशक्ति ईश्वर ने मुफ्त में दी है, क्योंकि शायद ईश्वर जानता है कि नेताओं का काम बिना बोले नहीं चलने वाला। नेताओं की ये दिव्य शक्ति बनी रहे इसीलिए ईश्वर ने अपने विधान में मौन रहने का प्रावधान भी किया। नेताओं के लिए खासतौर पर मौनी अमावस्या का सृजन किया। इस साल मौनी अमावस्या 09 फरवरी को है। मेरा देश और दुनिया के तमाम नेताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे कम से कम एक दिन का मौन धारण कर भूलोक वासियों को राहत प्रदान करें।

बहुत कम लोग मौन की शक्ति से वाकिफ हैं। चूंकि वाकिफ नहीं है इसलिए इसका लाभ नहीं उठा पाते। लोग डरते हैं कि मौन रहने पर दुनिया उन्हें डॉ मनमोहन सिंह की तरह मौनी बाबा न कहने लगे। लेकिन ये भी, ये धारणा है, एकदम गलत धारणा। व्यक्ति को मौन रहना चाहिए। हमारे बाबा यानि पितामह अक्सर कहा करते थे कि मौन रहने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे आत्मविश्वास, आत्मशक्ति, एकाग्रता और मन की शान्ति बढ़ती हैं। मौन रहने से व्यक्ति के सकारात्मक सोच को बल मिलता हैं। मौन रहने से शरीर ऊजार्वान बना रहता है और हम अपने कार्य को बेहतर तरीके से करते हैं। बोलने में भी ऊर्जा लगती हैं। अगर आप बिना वजह बोल रहे है तो अपनी ऊर्जा और क्षमता का दुरूपयोग कर रहे है।

चूंकि हम लोग धार्मिक लोग हैं इसलिए हमें धर्म की बात मानना चाहिए धर्म कहता है कि मौन रहने से हमें विघ्न --बाधाओं से मुक्ति के साथ ही मोक्ष की भी प्राप्त होती है। युवावस्था में जब मै ओशो यानि आचार्य रजनीश के आश्रमों में जाया करता था तब मैंने ओशो को कहते हुए सूना था की हमारी 90 व्याधियों की जड़ हमारे द्वारा की जाने वाली बकवास है। यदि हम मौन रहें तो इस सबसे मुक्ति पा सकते हैं। दुर्भाग्य ये है कि हम और हमारे नेता न धर्म की बात मानते हैं और न आचार्य ओशो की। 'घर की मुर्गी दाल बराबर' जो होती है। यही बात यदि कोई विदेशी विचारक कहे तो हम उसे फौरन मान लेंगे।

मौन रहकर साधना और सेवा करने वाले लोग हर क्षेत्र में हुए है। राजनीति में भी इनकी अच्छी-खासी संख्या है। जो लोग कम बोलते हैं वे बड़े फायदे में और कायदे में रहते है। उनके भीतर झांकना आसान नहीं होता। पुराने जमाने के मुनियों को छोड़ भी दें तो हमारे जमाने में हमारे सूबे के ही मुख्यमंत्री रहे अर्जुन सिंह बड़े मौन साधक थे। नाप=तौलकर बोलते थे। एक प्रधानमंत्री पीव्ही नरसिम्हाराव को भी आप इस श्रेणी में रख सकते हैं। हमारे सूबे में मुनियों की लम्बी परम्परा है। इस समय इस परम्परा में प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का नाम लिया जा सकता है। तोमर के मौन ने उनके बेटों के ऊपर लगे दस हजार करोड़ के लेनदेन के मामले को भी चुटकियों में ठंडा कर दिया। बहरहाल बात मौन की चल रही है। इस साल 9 फरवरी को मौनी अमवस्या है। ज्योतिषी इस दिन को बड़ा महत्वपूर्ण बताते हैं मौनी अमावस्या पर मंगलकारी सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 07 बजकर 05 मिनट से शुरू हो रहा है जो देर रात 11 बजकर 29 मिनट पर समाप्त होगा। वहीं संध्याकाल 07 बजकर 08 मिनट से वरीयान योग का भी संयोग बन रहा है। इन योग में पूजा जप-तप और दान-पुण्य करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अब सबके अपने-अपने मनोवांक्षित फल होते है। मिसाल के तौर पर कोई कांग्रेस विहीन देश चाहता है तो कोई विपक्ष विहीन संसद। कोई अखंड भारत चाहता है तो कोई एक देश ,एक कानून और एक नेता चाहता है। चाहता ही नहीं है बल्कि इसके लिए मौन साधना भी करता है। मौन रहने से लाख मणिपुर जल जाये लेकिन कुर्सी का बाल-बांका नहीं होता।

मौन रहने के बाद मुखर होने का अलग आनंद है। लम्बे मौन के बाद यदि आदमी मुखर हो तो उसकी वाणी में आज झलकने लगता है। आत्मविश्वास का स्तर बढ़ जाता है। देह की भाषा बदल जाती है। प्रतिद्वंदी को चित करने की क्षमता बढ़ जाती है। 'मौन पावर' साधना का मामला है। इसके लिए बाजार में कोई औषधि नहीं मिलती। हर क्षेत्र में मौन साधक होते है। साहित्य में भी और सियासत में भी। जिन खोजा, तिन पाइयाँ। कहते हैं कि जिसकी कुंडली में पितृ दोष हो तो वह मौनी अमावस्या पर ज्योतिष की सलाह लेकर पितृ दोष निवारण यंत्र स्थापित करें। ये यंत्र पितृ दोष के दुष्प्रभावों में कमी लाने के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसके प्रभाव से धन, संतान, पारिवारिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर होती है। सनातन में सात पीढ़ियां तारने का एकमात्र साधन सत्ता और भ्रष्टाचार को माना जाता है लेकिन ज्योतिषी कहते हैं कि जो लोग सत्ता और भ्रष्टाचार से कोसों दूर हैं राहुल गांधी की तरह, वे मौनी अमावस्या पर गंगा जल से स्नान, तेल का दान, शिव जी का अभिषेक, पितरों का तर्पण करके भी अपनी सात पीढ़ियां तार सकते हैं। वंश को फलता- फूलता देख सकते हैं। जिनके पास वंश है ही नहीं, जो परिवार का न सिर्फ त्याग कर चुके हैं और परिवारवाद के खिलाफ हमेशा आक्रामक रहते हैं उनके लिए मौनी अमावस्या के दिन कुछ नहीं है।

अलंकार प्रोजेक्ट की डीएम ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत राजकीय विद्यालयों में जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण/जीर्णोद्धार, राजकीय विद्यालय में पेयजल, मल्टीपरपज हाल, शौचालय, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला आदि बाबत समीक्षा की।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने कलेक्टेज्ट सभाकक्ष में बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिये कि सहायक अभियंता आवास विकास विद्यालयों में कराये जाने वाले कार्यों का मॉडल तैयार कराकर टेंडर की प्रक्रिया शुरू करायें। जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि विद्यालयों के निर्माण कार्यों को शासन से निर्देश मिले हैं, उसी के अनुसार कार्य करायें। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र, सहायक अभियंता आवास विकास सलिल कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

12 को लगेगा रोजगार मेला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला समन्वयक जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बताया कि उप्र कौशल विकास मिशन के निर्देशों में 12 फरवरी को सवेरे दस बजे से गल्ला मंडी परिसर में सेवायोजन कार्यालय कसहाई रोड में एक दिवसीय रोजगार मेला लगेगा। मेला में देश की प्रतिष्ठित कंम्पनियां- लेन्सकार्ट, प्रणव विकास इण्डिया प्रालि, मिन्डा कार्पो, मोबेश इण्डिया प्रालि, बंसल वायर्स प्रालि आदि दस से अधिक कम्पनियां हिस्सा लेंगी। 12 सौ से अधिक रिक्त पदों को भरा जाना है। इच्छुक महिला/पुरूष रोजगार को ऑनलाइन आवेदन कर सभी शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं छायाप्रति समेत 12 फरवरी को पहुंचकर लाभ उठायें।

शराब पीकर न चलायें वाहनः टीएसआई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर मौनी अमावस्या मेले को सकुशल सम्पन्न कराने को निदेर्शों में सीओ यातायात राजकमल की देखरेख में यातायात प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने रेलवे स्टेशन के पास टैम्पो-ई-रिक्शा चालकों से वार्ता कर श्रद्धालुओं को सही ढंग से यात्रा कराने को कहा।

गुरुवार को यातायात प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने मौनी अमावास्या बाबत टैम्पो व ई-रिक्शा चालकों से वार्ता कर कहा कि निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियों को वाहन में न बैठायें। पायदान या छत पर यात्रियों को न बैठायें। मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाये। यात्रियों को बैठाते-उतारते समय वाहन को सड़क किनारे खड़ा करें। श्रद्धालुओं से निर्धारित किराया ही लें। श्रद्धालुओं से अच्छा बर्ताव करें।

चालकों को निर्देश देते टीएसआई।

जिला अस्पताल में डीएम के निर्देशों का नहीं होता पालन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला अस्पताल का रवैया फिर पुराने ढर्रे पर चल निकला है। सीएमएस डॉ सुधीर शर्मा के तबादला होते ही जिला अस्पताल के हाल बेहाल हो गये हैं। हाल में जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के निरीक्षण का भी जिला अस्पताल में कोई असर नहीं हुआ।

गुरुवार को जिला अस्पताल के डॉक्टरों को जिला प्रशासन का कोई भय नहीं है। दो दिन पहले जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने डॉक्टरों को हिदायत दी थी कि बाहर से दवायें न मंगायें। दलालों को जिला अस्पताल में प्रवेश न करने दें। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के लिए जिलाधिकरी के निर्देश कोई मायने नहीं रखते। इसी के चलते रैपुरा थाने के कौबरा गांव के राम पाल (65) हाइड्रोसिल का ऑपरेशन कराने आया था। आयुष्मान कार्ड न होने पर सर्जन के दलालों ने सात हजार रुपये की मांग कर दी। इस मांग का वीडियो वायरल हो रहा है।

दलालों के माध्यम से मरीजों से डॉक्टर वार्ता कराते हैं। डॉक्टरों के चेम्बर के पास दलाल सक्रिय रहते हैं। ऐसे में सूबे के मुख्यमंत्री का मरीजों के इलाज का सपना कैसे पूरा होगा। डॉक्टर ही जब दलालों को पालेंगे तो शासन के निदेशों को पलीता लगना स्वाभाविक है। सीएमएस डॉ वन्दना से बात की गई तो उनका फोन बन्द रहा।

वांछित दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में कर्वी कोतवाल अजीत कुमार पाण्डेय की अगुवाई में दरोगा अंशुल कुमार ने मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी के वांछित रंजीत पुत्र संतशरण निवासी गया का पुरवा मजरा चकौंध को गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा अंकुश कुमार सिंह, सिपाही राहुल देव शामिल रहे।

डीसीसी से कोई भी ले सकता है जानकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी एफआर/उप जिला निर्वाचन अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने एक जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में अंतिम निर्वाचन नामावलियों का प्रकाशन 23 जनवरी को किया जा चुका है। अंतिम निर्वाचक नामावलियां 23 जनवरी से सभी संबंधित बूथ लेवल अधिकारी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय व जिला निर्वाचन कार्यालय में जन सामान्य के निःशुल्क निरीक्षण व दावे-आपत्तियां प्राप्त करने को उपलब्ध हैं। आयोग के निर्देश में जन सामान्य की जानकारी व सुविधा को जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष में डिस्ट्रिक्ट कान्ट्रेक्ट सेंटर डीसीसी की स्थापना निर्वाचक नामावली आलेख प्रकाशन 27 अक्टूबर 2023 को हुआ था। आगामी लोकसभा चुनाव को मतदान की समाप्ति तक क्रियाशील रहेगा। डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेंटर डीसीसी का टोल फ्री नंबर 1950 है, जो जन सामान्य की जानकारी को 24 घंटे क्रियाशील है। कोई भी व्यक्ति कोई शिकायत होने पर टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

लोकेशन गैंग फिर सक्रिय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में लोकेशन गैंग फिर से सक्रिय हो गया है। गैंग के सरगना समेत कुछ लोगों पर पुलिस ने बीते माह कार्यवाही की थी। गैंग के पुनः सक्रिय होने से राजस्व को क्षति पहुंच रही है। गुरुवार को लोकेशन गैंग का खुलासा हुआ। बताया गया कि राजापुर, सरधुवा, पहाड़ी थाना क्षेत्र में लोकेशन गैंग सक्रिय हो गया है। बीते माह लोकेशन गैंग पर पुलिस ने कार्यवाही की थी। अब फिर धड़ल्ले से लोकेशन गैंग का खेल शुरू हो गया है। गैंगेस्टर एक्ट में जेल गये लोकेशन गैंग के लोगों की मिलीभगत से खनिज सामग्री लदे वाहनों की जानकारी देने से राजस्व को क्षति पहुंच रही है। शाम होते ही ये गैंग सक्रिय हो जाता है। पुलिस के कार्यों की छवि धूमिल करता है। लोकेशन गैंग पर पुलिस अधीक्षक कब कार्यवाही करेंगे।

सहकारिता से देश बनेगा विकासशीलः लवकुश चतुर्वेदी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान सभागार में क्षेत्रीय संयोजक आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता में हुई। संचालन सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक योगेश जैन ने किया। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि सहकारिता से ही देश विकसित से विकासशील बनेगा।

गुरुवार को हुई बैठक में जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि गांव, गरीब के अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक सहकारिता पहुंच सकती है। क्षेत्रीय संयोजक आशुतोष तिवारी ने महासम्मेलन में संगठन की मजबूती को सभी सहकारी सदस्यों को बूथ तक जाने की बात कही। डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल को समिति का संयोजक बनाया। सहकारी बंधु राजेश मिश्रा ने सहकारिता से अवगत कराया। डीसीएफ उपाध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने गुजरात व महाराष्ट्र की सहकारिता से प्रेरणा लेने की बात कही। सुशील द्विवेदी गनीवा ने सबको साथ लेना ही सहकारिता बताया। हेमन्त सिंह ने सभी के सहयोग को कहा। दिव्या त्रिपाठी ने आदर्श सहकारी समिति बनाने की बात कही।

शंकरदयाल पयासी ने रोजगार के अवसर सहकारिता मे ही बताये। हरिओम करवरिया ने एकजुट होने को कहा। आभार आलोक पाण्डेय ने जताते हुए सहकारिता मजबूती को प्रेरित किया। बैठक में अरुण कुमार मिश्रा, योगेंद्र सिंह, चंद्रमोहन द्विवेदी, लालबहादुर सिंह, प्रकाश पांडे, शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी, गुलाबचंद पांडे, कुलदीप सिंह ने विचार व्यक्त किये।

सहकारिता की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

आदिवासियों को जनजाति में करें शामिलः विधायक

विधानसभा में गूंजा मुद्दा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सपा के सदर विधायक अनिल प्रधान ने विधानसभा सत्र दौरान आदिवासी कोल समुदाय को अनुसूचित जनजाति के दर्जे में शामिल करने का मुद्दा जोरदारी से उठाया है। सदन में उन्होंने कहा कि मिजार्पुर, सोनभद्र, चन्दौली, चित्रकूट, प्रयागराज समेत कई जिलों में तकरीबन सात लाख कोल आदिवासी रहते हैं। सभी जानते हैं कि आदिकाल से ही आदिवासी हैं। भारत सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग ने 1965 में बीएन लोकुर कमेटी ने भी कोल जाति को अनुसूचित जनजाति सूची में रखने का प्रस्ताव दिया था। इन्हें जनजाति की सूची में शामिल न करने से सामाजिक-आर्थिक न्याय के संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन हो रहा है।

गुरुवार को विधायक अनिल प्रधान ने कोल- आदिवासियों का मुद्दा विधानसभा में उठाया। कहा कि सरकारी नौकरियों में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व नहीं है या बहुत कम है। वन अधिकार कानून 2008 के तहत पुस्तैनी वन भूमि पर अधिकार नहीं मिल रहा। जनजाति को सरकार से संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। भाजपा सरकार सामाजिक न्याय की बात कहती है, केन्द्र व राज्य में सरकार है। कोल जाति को उप्र में एसटी का दर्जा नहीं मिल रहा। सरकार अपना प्रस्ताव जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार को भेजेगी?

सदर विधायक ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना में ऐसी शर्तें रखी गयी हैं, पूर्णरूप से किसानों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा। सपा सरकार में 70 हजार रुपए आय प्रमाण पत्र में कृषक, व्यापारी, मजदूर, रिक्शा चालक आदि को लाभ मिलता था। योजना को संकीर्ण कर दिया गया है कि सभी लाभार्थियों को लाभ नहीं मिल रहा। बटायी की खेती में लेखपाल पात्रों का आर्थिक दोहन करते हैं। 98 फीसदी मामले में लाभार्थी के पैसा न देने से लेखपाल पत्रावली निरस्त कर देते हैं।

सदर विधायक ने उप्र में सर्पदंश बिसरा मामले को सदन में उठाया। कहा कि सर्पदंश में बिसरा की जांच आख्या न आने से योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा। पोस्टमार्टम बाद बिसरा रिपोर्ट न आने से मृतक परिजनों को लाभ नहीं दिया जा रहा। परिजन दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

विधानसभा में बोलते सदर विधायक अनिल प्रधान।

जांच करती टीम।

मेला में संयुक्त टीम ने की जांच

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व पुलिस उपाधीक्षक प्रज्ञान अनुज कुमार मिश्र की देखरेख में एस चेक, डॉग स्क्वायड, एलआईयू टीम ने माघ माह की मौनी अमावस्या मेला में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बडे पैमाने पर जांच की। गुरुवार को पुलिस टीम ने रामघाट, निमोहीं अखाड़ा, परिक्रमा मार्ग व स्टेशन आदि स्थलों पर संदिग्ध वस्तुओं व लोगों की बडे पैमाने पर जांच हुई। जांच में संयुक्त टीम को कोई संदिग्ध वस्तु या लोग नहीं मिले। ये जांच एहतियातन की गई है।

लापता पत्नी की खोज को गुहार

अखंड भारत संदेश

लापता रेहाना।

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के तरौंहा छिपटहरी मोहल्ले के मो शकील पुत्र मो रफीक ने कोतवाल को दी तहरीर में कहा कि उसकी पत्नी रेहाना बानो बुधवार को अपरान्ह एक बजे घर से ये कहकर कि बाजार जा रही है। काफी समय बीतने के बाद जब वह घर नहीं आई तो उसके फोन 6394065685 व 9555028488 पर फोन लगाया तो स्वीच आफ मिला। पीडित ने आसपास दुकानों व मोहल्ले तथा रिश्तेदारियों में पूंछताछ की। कहीं पता न चलने पर गुमशुदगी दर्ज कराई है। पीडित ने पत्नी रेहाना बानो की खोजबीन करने की पुलिस से गुहार लगाई है।

नाबालिक से छेड़छाड़ में हुई तीन वर्ष की सजा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निदेर्शों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक मऊ राजेश कुमार द्विवेदी व पैरोकार आनन्द कुमार तथा मॉनिटरिंग सेल प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला की टीम की पैरवी से न्यायालय ने नाबालिक से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन वर्ष की सजा व दो हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

गुरुवार को अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विशेष पॉक्सो एक्ट तेज प्रताप सिंह की प्रभावी बहस के चलते न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट विनीत नारायण पाण्डेय ने मऊ थाने में दर्ज पाक्सो एक्ट आरोपी अखिलेश निषाद पुत्र त्रिलोकी निषाद निवासी मैदाना को तीन वर्ष की सजा व दो हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

ज्ञात है कि 24 जून 2017 को वादी ने मऊ थाने में रिपोर्ट लिखाई थी कि अखिलेश निषाद उसकी नाबालिक पुत्री से छेड़छाड़ व मारपीट की है। पुलिस ने मामला दर्जकर विवेचना पूर्व दरोगा राजेश कुमार मिश्रा ने कर छह सितम्बर 2017 को आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

अवैध सम्बन्धों में युवक की हत्या पर दम्पति को उम्रकैद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अवैध सम्बन्धों के चलते युवक की हत्या कर शव को खेत में फेंकने के मामले में आरोपी के दोष सिद्ध होने पर सत्र न्यायाधीश ने हत्यारोपी पति-पत्नी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 15-15 हजार रुपये के जुमार्ना से भी दंडित किया।

गुरुवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुन्दर मिश्रा ने बताया कि 15 जनवरी 2018 को मानिकपुर थाने के लक्ष्मणपुर, कल्याणपुर गांव के दयाशंकर पाण्डेय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका 23 वर्षीय बेटा दीपू पाण्डेय 12 जनवरी 2018 को रात्रि में नौ बजे खाना खाकर घर में सो गया था। सवेरे वह नलकूप से घर आया तो पता चला कि दीपू पाण्डेय लापता है। सभी लोगों ने आसपास पता लगाया, कोई पता नहीं चला। तीन दिन बाद 15 जनवरी 2018 को सवेरे साढे नौ बजे उसके पुत्र की हत्या कर शव लालभाई मिश्रा के सरसों के खेत में फेंका गया है। मौके पर देखा तो दर्जन लोगों पर मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी राजा भइया व पत्नी ममता को जेल भेजा था। पूंछताछ में अवैध सम्बन्धों के चलते दीपू पाण्डेय की हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्यारोपी दम्पति के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव व अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद गुरूवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने दोष सिद्ध होने पर हत्यारोपी राजा भइया व पत्नी को आजीवन करावास की सजा सुनाई। हत्यारोपियों को 15-15 हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

जिला जज ने सुनाया फैसला

दुष्कर्म आरोपी को हुई दस साल की सजा

बीस हजार का जुमार्ना भी हुआ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निदेर्शों के अनुपालन में कर्वी कोतवाल अजीत कुमार पाण्डेय व पैरोकार अमरेन्द्र प्रताप सिंह तथा मॉनिटरिंग सेल प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला की पैरवी से न्यायालय ने नाबालिक को बहला-फुसला कर भगा ले जाने व दुष्कर्म आरोपी को दस वर्ष की सजा व बीस हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

गुरुवार को अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विशेष पॉक्सो एक्ट तेजप्रताप सिंह की प्रभावी बहस के चलते न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट विनीत नारायण पाण्डेय ने कोतवाली कर्वी में दर्ज अपहरण व दुष्कर्म तथा पॉक्सो एक्ट आरोपी निक्की उर्फ विनोद पुत्र गया प्रसाद उर्फ उज्जू बहेलिया निवासी चकला गुरुबाबा मजरा कल्ला कोतवाली कर्वी को दस वर्ष की सजा व बीस हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

ज्ञात है कि 24 अप्रैल 2017 को वादी ने कोतवाली कर्वी में रिपोर्ट लिखाई थी कि निक्की उर्फ विनोद नाबालिक पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाकर दुष्कर्म किया है। पुलिस ने उचित धाराओं में मामला दर्जकर विवेचना पूर्व चैकी प्रभारी शिवरामपुर शरद चन्द्र पटेल ने कर 13 जून 2017 को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तीन सितम्बर 2017 को आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

संदिग्ध दशा में मिली पीडिता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भरतकूप थाने के दुर्जनपुरवा मऊ ब की रजनी पुत्री बुद्धपाल/पत्नी स्व शिवगणेश ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में कहा कि पांच फरवरी को बहन सम्पत के पुत्र मनोज की देखभाल को मछरिहा जा रही थी।

शाम सात बजे मछरिहा से पहले नहर किनारे पीछे से आई बुलेरो में बैठे पांच लोगों में मुलायम, शिवदास व प्रधान अत्रिमुनि दुर्जनपुरवा ने उसे पकडकर बुलेरो में बैठाकर शिवरामपुर की ओर ले गये। उसकी आंखों में पट्टी बांध दिया। रात दो बजे जंगल में हाथ-पैर बांधकर छोडकर चले गये। गुरुवार को पीडिता ने बताया कि सवेरे पांच बजे उसने लोगों को देखा तो पास बुलाकर पुलिस को फोन से बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाथ-पैर खोलकर थाना मानिकपुर ले गये। मानिकपुर थाने में पुलिस को घटना बताई। पीडिता की रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई, बल्कि शिवरामपुर पुलिस को बुलाकर छह फरवरी को पुलिस उसे दिनभर शिवरामपुर चैकी में बैठाये रही।

पुलिस पीडिता को डराती-धमकाती रही। पिता व बहन सम्पत को बुलवाया। बहन के पुत्र मनोज को भी चैकी में बैठाये रहे। आरोपियों से समझौता की धमकी देते रहे। उसके पिता से सादे कागजों में अंगूठा लगवाकर रात दस बजे धमकी देकर छोडा। पीडिता ने बताया कि उसने जेठ व ससुर के खिलाफ मामला दायर किया है। इसी रंजिश को लेकर उसके साथ घटना की गई है।

अमेरिका में शादीशुदा महिला टीचर ने अपने नाबालिग छात्र से बनाए संबंध, 50 साल के लिए जाएगी जेल

वॉशिंगटनः अमेरिका की एक शादीशुदा स्कूल टीचर को अपने 14 साल के छात्र के साथ यौन संबंध बनाने के लिए 50 साल तक की सजा का सामना करना पड़ेगा। वर्जीनिया के हंगरी क्रीक मिडिल स्कूल में पढ़ाने वाली 25 साल मेगन पॉलीन जॉर्डन ने 14 वर्षीय छात्र का यौन शोषण करने का अपराध स्वीकार कर लिया है। मेगन ने माना कि 14 वर्षीय छात्र के साथ यौन संबंध बनाने के लिए वह उसके घर गई थी। मेगन के अपना अपराध कुबूलने के बाद हेनरिको काउंटी कॉमनवेल्थ के अटॉर्नी कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि मेगन जॉर्डन को एक नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाने के चार गंभीर मामलों और एक नाबालिग के साथ अश्लील हरकत के केस में दोषी ठहराए जाने के बाद उसको 50 साल की जेल का सामना करना पड़ेगा। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार,

मेगन पॉलीन जॉर्डन को नाबालिग से शारीरिक संबंध बनाने के चार मामलों के अलावा एक नाबालिग के साथ अश्लीलता करने के एक मामले में दोषी ठहराया गया, जो सभी घोर अपराध हैं। वर्जीनिया के कानून में 17 वर्ष से कम उम्र के नाबालिग के साथ संबंध गंभीर अपराध है। 17 साल के कम के नाबालिग की कोई भी यौन गतिविधि के लिए कोई भी सहमति कानूनी तौर पर मान्य नहीं है।

बीते साल जून में किया गया था गिरफ्तार

मेगन पॉलीन जॉर्डन पर साल 2022-23 के दौरान अपने 14 वर्षीय छात्र के साथ यौन संबंध बनाने का मामला साबित हुआ है। कई मौकों पर जॉर्डन पीड़ित के घर जाती थी और छात्र के साथ संबंध बनाती थी। उसका डीएनए छात्र के बिस्तर से बरामद किया गया था। जो इस केस में एक अहम सबूत बना। जॉर्डन को एक नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाने और एक नाबालिग के साथ हरकत आरोपों के बाद जून 2023 में गिरफ्तार किया गया था। मामला साबित होने के बाद 20 मई को उसे सजा सुनाई जाएगी। हेनरिको काउंटी कॉमनवेल्थ के अटॉर्नी शैनन टेलर ने कहा है कि टीचर को 50 साल की जेल का सामना करना पड़ेगा।

रूस का यूक्रेन पर मिसाइल व ड्रोन से हमला, तीन नागरिकों की मौत

कीव। रूस ने बुधवार सुबह अपनी मिसाइल और ड्रोन हमलों से पूरे यूक्रेन को थर्रा दिया। पूरे यूक्रेन में रूस क्रूज, बैलिस्टिक मिसाइलों और शहीद ड्रोन से हमला किया। इसमें कम से कम तीन नागरिकों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला सहित 10 अन्य घायल हो गए।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, हमलों में राजधानी कीव सहित कम से कम तीन प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया, जहां यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक जोसेप बोरेल यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और वित्तीय सहायता पर चर्चा कर रहे थे। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने दावा किया कि उन्होंने बुधवार सुबह के हमले में लॉन्च किए गए 64 में से 44 ड्रोन और मिसाइलों को रोक दिया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि कीव में दो लोगों की जान ले ली। क्षेत्रीय गवर्नर विटाली किम ने कहा कि हमले में दक्षिणी यूक्रेन के शहर मायकोलाइव में एक व्यक्ति की भी मौत हो गई, जहां लगभग 20 आवासीय इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा कीव में 13 लोग घायल हुए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि पूर्वोत्तर यूक्रेन के खार्कीव में एस-300 मिसाइल हमले में एक 52 वर्षीय महिला मामूली रूप से घायल हो गई।

चीन का जासूसी जहाज आज माले पहुंचेगा, भारतीय नौसेना की नजर

माले। चीन का जासूसी जहाज गुरुवार दोपहर मालदीव के माले बंदरगाह में प्रवेश करेगा। इसे लेकर भारत पूरी तरह सतर्क है। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन के इस जहाज के प्रवेश के बाद से भारतीय नौसेना की इस पर नजर है।

आधिकारिक रूप से बताया जा रहा है कि चीन का यह जहाज रोटेशन और पूर्ति के लिए माले पहुंचने वाला है। मालदीव की मोइज्जू सरकार ने दावा किया है कि चीन के जहाज इयांग यंग हांग 3 को माले बंदरगाह में केवल परिचालन परिवर्तन की अनुमति दी जाएगी और मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र में कोई रिसर्च नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि 5 फरवरी को इसी जहाज के श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंचने की तैयारी थी लेकिन श्रीलंका की सरकार ने 22 दिसंबर को नई दिल्ली के आग्रह पर श्रीलंका के बंदरगाहों को चीनी निगरानी जहाज के लिए बंद करने का फैसला किया।

पाकिस्तान आम चुनाव: कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू, नेशनल एसेंबली की 266 सीटों के लिए 12.85 करोड़ मतदाता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए गुरुवार सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो गया जो शाम 05 बजे समाप्त होगा। चुनाव की पूर्व संध्या पर हुई हिंसक घटनाओं को देखते हुए लगभग 6,50,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। साथ ही मतदान के दौरान टेलीफोन सेवा बंद कर दी गई है।

बुधवार को बलूचिस्तान प्रांत में चुनाव कार्यालयों को निशाना बनाकर किए गए दो बम धमाकों में कम से कम 25 लोग मारे गए और 42 अन्य घायल हो गए।

आज हो रहे मतदान में 74 वर्षीय शरीफ की नजर रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने पर होगी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के जेल में होने के कारण शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है। नवाज शरीफ को सेना का समर्थन प्राप्त है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार निर्दलीय के रूप से चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने उनकी पार्टी को उसके चुनाव चिह्न क्रिकेट ह्यबल्लाह्न से वंचित करने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को बरकरार रखा है। इस चुनावी मुकाबले में बिलावल भुट्टो-जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) भी शामिल है। बिलावल भुट्टो-जरदारी को पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। नेशनल एसेंबली की 266 सीटों के लिए शुरू हुए चुनाव में 12.85 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता मतदान कर रहे हैं। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के अनुसार कुल 12,85,85,760 पंजीकृत मतदाता वोट देने के पात्र हैं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में सबसे अधिक 7,32,07,896 पंजीकृत मतदाता हैं, इसके बाद सिंध में 2,69,94,769, खैबर पख्तूनख्वा में 2,19,28,119, बलूचिस्तान में 53,71,947 और राजधानी इस्लामाबाद में 10,83,029 मतदाता हैं।

नेशनल असेंबली के लिए 5,121 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं जिनमें से 4,807 पुरुष, 312 महिलाएं और दो ट्रांसजेंडर शामिल हैं। चार प्रांतीय विधानसभाओं के लिए 12,695 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 12,123 पुरुष, 570 महिलाएं और दो ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

भारत रूस के निकट उसे अमेरिकी नेतृत्व पर भरोसा नहीं : हेली

वाशिंगटन । भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने कहा कि भारत रूस के साथ साझेदारी करता है, क्योंकि उसे अमेरिकी नेतृत्व पर भरोसा नहीं है।

फॉक्स बिजनेस न्यूज के चार्ल्स पायने के साथ एक साक्षात्कार में, 51 वर्षीय संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है।

हेली ने अमेरिका द्वारा भारत को रूस से सस्ता तेल खरीदने की अनुमति दिए जाने संबंधी सवालों का जवाब देते हुए कहा,"भारत हमारे साथ भागीदार बनना चाहता है। वे रूस के साथ भागीदार नहीं बनना चाहते हैं। समस्या यह है कि भारत को हमारी जीत पर भरोसा नहीं है। उन्हें हमारे नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। वे हमें कमजोर मानते हैं।"

यूक्रेन और उसके सहयोगियों द्वारा दुनिया भर के देशों को रूस से दूरी बनाने के लिए मनाने के प्रयासों के बावजूद, मध्य एशियाई राष्ट्र से भारत की तेल खरीददारी तेजी से बढ़ी।

जबकि पश्चिमी देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत में रूसी तेल आयात में कटौती की, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि भारत सहित प्रत्येक संप्रभु देश को किसी भी देश से तेल खरीदने का अधिकार है।

हेली ने कहा, "भारत ने हमेशा चतुराई से काम किया है। वे रूस के करीब रहते हैं, क्योंकि उन्हें उससे बहुत सारे सैन्य उपकरण मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी कमजोरी को दूर करने की जरूरत है।"

दक्षिण कैरोलिना की दो बार के पूर्व गवर्नर ने कहा कि चीजें तब बेहतर होंगी जब अमेरिका "स्वीकार" करेगा कि उसे कोई समस्या है। उन्होंने कहा, "हमें अपना गठबंधन बनाना शुरू करना होगा। आपको पहले यह स्वीकार करना होगा कि आपको कोई समस्या है।"

हेली ने भारत और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए प्रयास किया है।

US में 5 साल जासूसी करते रहे चीनी हैकर्स: अमेरिकी सिक्योरिटी ग्रुप की रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन। एक जॉइंट सिक्योरिटी ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के हैकर्स अमेरिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पांच साल तक घुसपैठ करते रहे और यहां की एजेंसियों को हाल ही में इसकी खबर लग सकी।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के हैकर्स ग्रुप्स ने अमेरिका के कम्युनिकेशन, एनर्जी, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम और वेस्ट-वॉटर मैनेजमेंट जैसे अहम सेक्टर्स के बारे में तमाम जानकारियां हासिल कर लीं।

पांच देशों के एक्सपर्ट का सिक्योरिटी ग्रुप

इस जॉइंट सायबर सिक्योरिटी एडवाइजरी ग्रुप की रिपोर्ट 7 जनवरी 2024 को सामने आई। इस ग्रुप में अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन के एक्सपर्ट्स शामिल हैं।

रिपोर्ट कहती है- सायबर ऑपरेशन्स का टारगेट सिर्फ खुफिया जानकारी जुटाना नहीं है, बल्कि इसके जरिए किसी देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच हासिल करके उस पर कंट्रोल के तरीके भी खोजते हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि अगर अमेरिका और चीन के

बीच टकराव बहुत बड़ जाता है तो चीन ने अपने हैकर्स ग्रुप्स के जरिए जो जानकारी जुटाई है, उसका इस्तेमाल करके वो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में बहुत मुश्किल हालात पैदा कर सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक- चीन के हैकर्स ने न सिर्फ खुफिया जानकारी जुटाई, बल्कि उसने अमेरिका में अपने टारगेट भी फिक्स कर लिए हैं। अगर दोनों देशों में जंग के हालात बनते हैं तो चीन इस मामले में अमेरिका पर भारी पड़ेगा।

FBI के डायरेक्टर की संसद में पेशी

खास बात यह है कि अमेरिकी जांच एजेंसी ऋइक के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने भी पिछले महीने संसद के सामने कुछ इसी तरह के खतरों का जिक्र किया था। इस दौरान ऋइक के डायरेक्टर के अलावा इंटेलिजेंस और दूसरी सिक्योरिटी एजेंसीज के तमाम आला अफसर भी मौजूद थे। डिफेंस मिनिस्टर लॉयड ऑस्टिन से भी इस मौके पर सख्त सवाल किए गए।

दरअसल, संसद की एक खास सिलेक्ट कमेटी है। यह अमेरिका की सुरक्षा से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। इसने चीन की तरफ से बढ़ते खतरों पर एक सुनवाई रखी थी। इसको नाम दिया गया था- द चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी सायबर थ्रेट टू द अमेरिकन होमलैंड एंड नेशनल सिक्योरिटी।

ऋइक डायरेक्टर ने इस दौरान कहा- चीन की तरफ से बढ़ रहे खतरों को लेकर बहुत ज्यादा बात नहीं होती। चीन सरकार के हैकर ग्रुप्स हमारे बेहद अहम सेक्टर्स में सेंध लगा रहे हैं। अमेरिकी इलेक्ट्रिक ग्रिड, ऑयल और नैचुरल गैस जैसे सेक्टर्स तक उनकी पहुंच हो चुकी है या हो रही है। इसके जो नतीजे होंगे, उसका असर हर अमेरिकी पर होगा।

अमेरिकी जांच एजेंसी ऋइक के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने भी पिछले हफ्ते संसद के सामने पेश हुए थे। उन्होंने चीन की तरफ से बढ़ रहे खतरों की तफ्सील से जानकारी दी थी। (फाइल)

अमेरिकी जांच एजेंसी ऋइक के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने भी पिछले हफ्ते संसद के सामने पेश हुए थे। उन्होंने चीन की तरफ से बढ़ रहे खतरों की तफ्सील से जानकारी दी थी।

मोदी सरकार ने 10 साल में 70 साल की कमियों को दूर करने का काम किया: शाह

लखनऊ

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'सिक्योरिटी बियॉन्ड टुमॉरोः फोर्जिंग इंडियाज रेजिलिएंट फ्यूचर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के नेतृत्व ने 70 साल की सभी कमियों को समाप्त करने का काम किया है। इस मौके पर शाह ने ओआरएफ फॉरेन पॉलिसी सर्वे को भी लॉन्च किया। मोदी जी की दूरदर्शिता और अमित शाह की अंत्योदय की राजनीति का परिणाम है कि, बीते 10 वर्षों में सालों से वंचित करोड़ों आम जनमानस को आजादी का असल सुख प्राप्त हुआ है। आज करोड़ों गरीबों को आवास, हर घर बिजली, हर घर नल से जल, शौचालय, मुफ्त गैस कनेक्शन के साथ-साथ 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा देने का काम किया जा रहा है। आजादी के बाद दशकों तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूर देश के विकास में रोड़ा बना हुआ था। आज अमृतकाल में मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूरों को न सिर्फ जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया जा रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव रखने का काम भी निरंतर जारी है। बीते 10 सालों में देश में राजनीतिक स्थिरता और भ्रष्टाचारमुक्त शासन को स्थापित करने का काम बखूबी किया गया है। नया भारत उपलब्धियों के नित नए आयाम को हासिल करते हुए दुनिया भर में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। यह बात किसी से छुपा नहीं है कि आजादी के बाद सालों तक आंतरिक सुरक्षा के मामले में देश आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से ग्रसित रहा, जिसका उदाहरण है जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट। साल 2014 के बाद मोदी जी की जीरो टॉलरेंस की नीति और आतंकवाद को मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन समझने वाले शाह के सख़्त फैसलों की वजह से जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट जैसे तीन बड़े हॉट-स्पॉट आज विकास की राह पर अग्रसर हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।